रोहतक, सोमवार 22 जनवरी 2024 ■ पौष मास शुक्ल पक्ष-द्वादशी ■ वर्ष : 27, अंक : 361 ■ पृष्ठ : 16 मूल्य : 3.00

मौसम अधि.11.0 न्यून. 2.8

haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

भारत सरकार

अधिक जानकारी के लिए स्कैन करें

हमारा संकल्प
विकसित भारत

मोदी सरकार की गारंटी

विरासत भी, विकास भी

भव्य-दिव्य-नव्य श्री राम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण
श्री अयोध्या धाम को हजारों करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात

CBC 22201/13/0192/2324

500 साल बाद आई शुभ घड़ी

आज घर विराजेंगे रामलला

भव्य कार्यक्रम

12.20 शुरू होगा समारोह

84 सेकंड का शुभ मुहुर्त

60 देशों में होंगे कार्यक्रम

14 दंपती होंगे प्राण प्रतिष्ठा के यजमान

विशेष पेज 3, 8, 10, 11 और 12

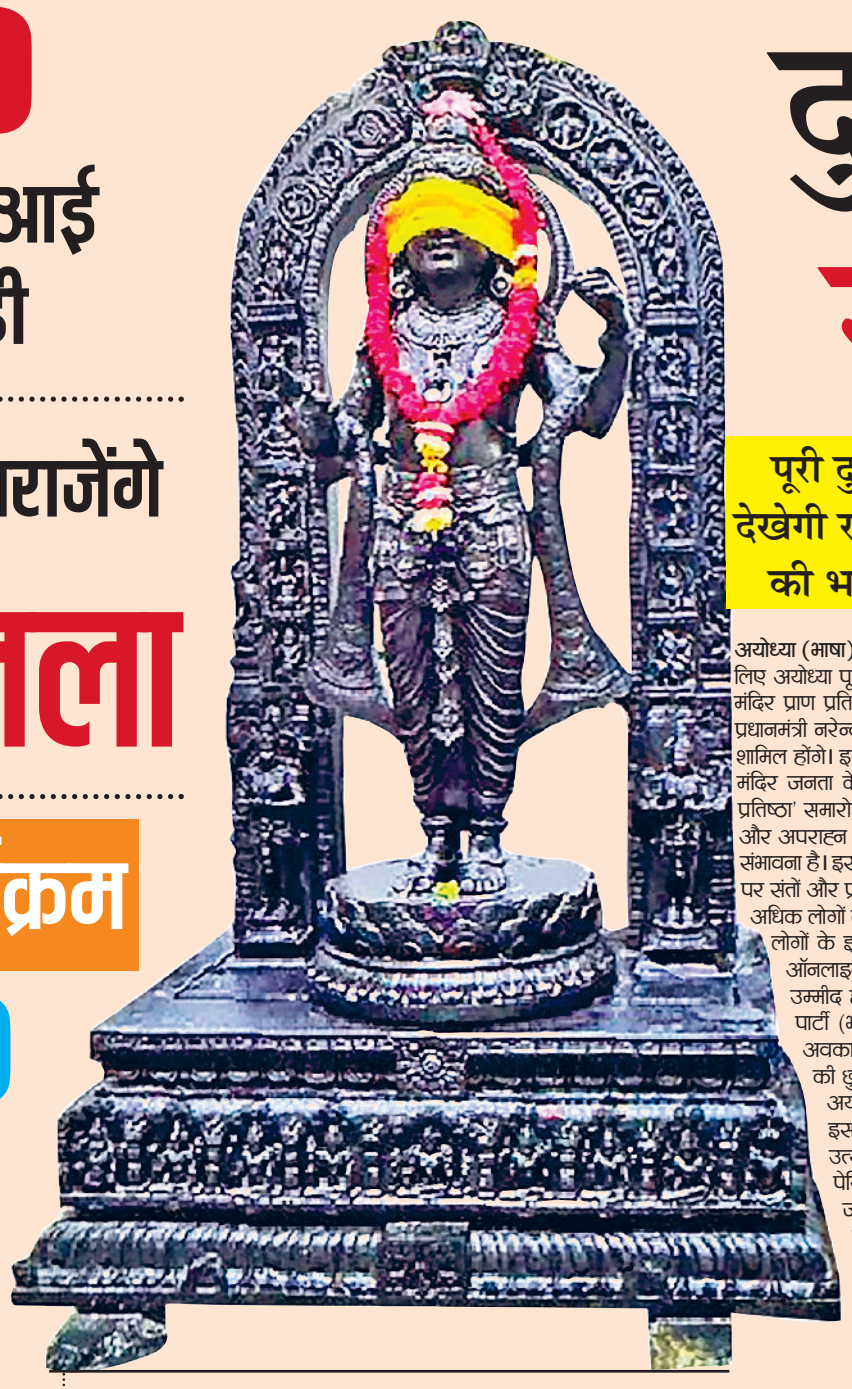

दुल्हन की तरह सजी राम की अयोध्या

पूरी दुनिया देखेगी रामलला की भव्यता

देश में दिवाली जैसा जश्न का माहौल दिल्ली, बंगाल, राजस्थान में पटाखे फोड़े

अयोध्या (भाषा)। राम भक्तों को वर्षों से जिस पल का इंतजार है, उसके लिए अयोध्या पूरी तरह से तैयार है। भव्य स्तर पर बहु-प्रतीक्षित राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन सोमवार को होगा जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सभी धार्मिक अनुष्ठानों में शामिल होंगे। इस समारोह के अगले दिन ही यह मंदिर जनता के लिए खोल दिया जाएगा। 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह अपराह्न 12.20 बजे शुरू होगा और अपराह्न एक बजे तक उसके पूरा होने की संभावना है। इसके बाद प्रधानमंत्री आयोजन स्थल पर संतों और प्रतिष्ठित शख्सियतों समेत 7,000 से अधिक लोगों की सभा को संबोधित करेंगे। लाखों लोगों के इस कार्यक्रम को टेलीविजन और ऑनलाइन मंचों पर सीधा प्रसारण देखने की उम्मीद है। इसे देखते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित राज्यों और ओडिशा ने एक दिन के अवकाश की घोषणा की है जबकि केंद्र सरकार ने आधे दिन की छुट्टी का एलान किया है। भगवान राम की जन्म स्थली अयोध्या में प्राधिकारी तैयारियों को अंतिम रूप दे रहे हैं। इसके साथ ही देश और विदेश में इस अवसर पर विशेष उत्सव की घोषणा की गयी है। वाशिंगटन डीसी से लेकर पेरिस और सिडनी तक दुनिया के विभिन्न हिस्सों में 22 जनवरी को कार्यक्रमों की घोषणा की गयी है। ये कार्यक्रम 60 देशों में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) या हिंदू प्रवासी समुदाय द्वारा आयोजित किए जा रहे हैं। भारत के विभिन्न हिस्सों से 14 दंपती 'प्राण प्रतिष्ठा' के लिए ''यजमान'' होंगे। इस समारोह के मद्देनजर अनुष्ठान 16 जनवरी को शुरू हुए थे।

पीएम मोदी होंगे अनुष्ठानों में शामिल सुबह 10.30 बजे पहुंचेंगे अयोध्या

विभिन्न राज्यों से आए कलाकार देंगे मनमोहक प्रस्तुतियां

ये रहेगा खास

56 किस्म का पेठा, 500 किलो का लोहे और कांस्य का नगाड़ा, 500 किलो कुमकुम, 108 फीट अगरबत्ती 2100 किलो की घंटी, सोने की चप्पल, 10 फीट ऊंचा ताला, आठवीं सदी की घड़ी।

सीता के जन्म स्थान जनकपुर से 3000 से अधिक उपहार आए।

भोपाल से आए विशेष गुलाब के फूलों से रामलला का पूजन होगा।

यह रहेगा शेड्यूल

समय	कार्यक्रम	समय	कार्यक्रम
10.00	मंगल ध्वनि	11.30	अतिथियों का भाषण
11.00	अतिथि आएंगे	02.00	रामलला के दर्शन करेंगे अतिथी
11.30	गर्भगृह में पूजा		

भारत के अलावा मलेशिया, थाईलैंड, इंडोनेशिया अर्जेंटीना समेत अन्य देशों में भी विशेष आयोजन

राम नगरी को सजाने के लिए देश के लगभग सभी राज्यों के अलावा मलेशिया, थाइलैंड, इंडोनेशिया और अर्जेंटीना से मनमोहक फूल मंगाए गए हैं। इन देशों में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। रामपथ, एयरपोर्ट से एनएच-27और धर्मपथ होते हुए राम मंदिर के रास्ते को रंग-बिरंगे फूलों से सजाए जा रहे हैं। राम मंदिर का नवनिर्मित भवन और प्रवेश द्वार अलग ही छटा बिखेर रहे हैं। इसी के साथ राम मंदिर पर हेलिकॉप्टर से गुलाब की पंखुड़ियों की वर्षा शुरू कर दी गई है।

इसरो ने सैटेलाइट इमेज जारी की

इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन (इसरो) ने राम लला के प्राण प्रतिष्ठा से एक दिन पहले स्पेस से ली गई अयोध्या की तस्वीरें जारी की। इन तस्वीरों में 2.7 एकड़ में बना राम जन्म भूमि स्थल देखा जा सकता है। तस्वीरों में मंदिर के अलावा सरयू नदी, दशरथ महल और अयोध्या रेलवे स्टेशन भी साफ नजर आ रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, निर्माणाधीन राम मंदिर की ये तस्वीरें लगभग एक महीने पहले 16 दिसंबर 2023 को खींची गई थी।

अयोध्या बनीं अभेद्य किला

- रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए अयोध्या को अभेद्य किला बना दिया गया है। चप्पे-चप्पे पर फोर्स तैनात है।
- 10 हजार सीसीटीवी और एआई से हर शख्स पर नजर रखी जा रही। मशीन गन से लेकर एके-47 लिए कमांडो तैनात हैं।
- हेलिकॉप्टर से निगरानी की जा रही है। सीमाएं सील कर दी गई हैं। अब वही अयोध्या में एंट्री कर सकता है, जिसके पास प्राण प्रतिष्ठा का न्योता और पास है।
- अयोध्या में 25 हजार से जवान तैनात हैं। 31 आईपीएस अफसरों की ड्यूटी लगाई है। यहां एसपीजी, सीआईएसएफ, स्पेशल कमांडो, सीआरपीएफ, एनएसजी और एटीएस के कमांडों तैनात हैं।

हरियाणा में आज बंद रहेंगे स्कूल, शिक्षक जाएंगे

चंडीगढ़। हरियाणा में सरकारी स्कूल बंद रहेंगे लेकिन शिक्षकों और स्टाफ को स्कूल जाना होगा। हरियाणा स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से आदेश जारी कर दिया गया है। आदेश में लिखा है कि सरकार की ओर से श्री राम लला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर 22 जनवरी को दोपहर 2:30 बजे तक की छुट्टी घोषित की है। इसको देखते हुए सभी सरकारी और गैर स्कूल 22 जनवरी को छात्रों के लिए बंद रहेंगे, जबकि टीचर्स और गैर-शिक्षण कर्मचारी सरकारी आदेशों के अनुसार स्कूल और ऑफिस में उपस्थित रहेंगे। अयोध्या में रामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह देखने के लिए सरकार ने कार्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों में 22 जनवरी को आधे दिन (2:30 बजे तक) का अवकाश घोषित कर दिया है, आदेश के अनुसार सभी आफिस ढाई बजे के बाद खुलेंगे।

अयोध्या जाने से पहले पीएम मोदी पहुंचे धनुषकोडी, पूजा-अर्चना की

रामेश्वरम (तमिलनाडु)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अरिचल मुनाई के पास राम मंदिर में पूजा करके देश के दक्षिणी हिस्सों में रामायण से संबंध वाले मंदिरों की अपनी आध्यात्मिक यात्रा पूरी की। प्रधानमंत्री मोदी रविवार को तमिलनाडु के अरिचल मुनाई पहुंचे और उन्होंने समुद्र तट पर पुष्प अर्पित किए। मोदी ने वहां 'प्राणायाम' भी किया। उन्होंने समुद्र का जल हाथों में लेकर प्रार्थना की और अर्घ्य दिया। प्रधानमंत्री ने वहां बने राष्ट्रीय प्रतीक स्तंभ पर भी पुष्पांजलि अर्पित की। रामायण से जुड़े तमिलनाडु के मंदिरों का उनका दौरा सोमवार को उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह से ठीक पहले संपन्न हुआ है। मोदी ने श्री कोठंडारामस्वामी मंदिर में पूजा की और दर्शन किये, जो धनुषकोडी और अरिचल मुनाई की ओर जाने वाले रास्ते पर है, जहां से श्रीलंका कुछ ही दूरी पर है। तमिल में कोठंडारामस्वामी भगवान राम को धनुष और बाण से दर्शाते हैं। कहा जाता है कि अरिचल मुनाई वह स्थान है, जहां राम सेतु का निर्माण हुआ था।

तीन दिन बाद काबू आया टाइगर गच्चा देकर फरार

रेवाड़ी। रेस्क्यू टीमों को 72 घंटे तक थकाने के बाद दो कर्मचारियों पर हमला करने वाला टाइगर आखिरकार काबू में तो आ गया, लेकिन रेस्क्यू टीमें उसे पिंजरे में कैद नहीं कर पाईं। नशे की डोज कम रहने के कारण बेहोशी का नाटक करने के बाद बाघ टीमों को चकमा देकर फरार हो गया। इसी बीच राजस्थान से दो वन कर्मियों हीरालाल और धर्मसिंह पर बाघ ने अटैक कर दिया। टीम के अन्य सदस्यों के वहां पहुंचते ही टाइगर एक बार फिर से सरसों के खेत में घुस गया। दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। कर्मचारियों पर हमला करने के बाद टाइगर सरसों के जिस खेत में घुसा था। टाइगर को पकड़ने के लिए अभियान जारी है।

हमले में दो वन कर्मी घायल, अस्पताल में भर्ती

अफगानिस्तान में रूस का विमान दुर्घटनाग्रस्त

इस्लामाबाद (एपी)। रूस का एक निजी विमान अफगानिस्तान के दूरदराज के एक ग्रामीण इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। अधिकारियों ने बताया कि विमान में छह लोग सवार थे। विमान एक एंबुलेंस उड़ान के तौर पर भारत के गया से ताशकंद के रास्ते मॉस्को तक परिचालित किया जा रहा था। क्षेत्रीय प्रवक्ता जबीउल्ला अमीरी ने बताया कि दुर्घटना शनिवार को बदख्शां प्रांत के जेबक जिले के पास एक पर्वतीय इलाके में हुई। उन्होंने बताया कि एक बचाव दल दुर्घटना स्थल के लिए रवाना किया गया है। जेबक अफगानिस्तान की राजधानी काबुल से करीब 250 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित है। अभी विमान के मलबे की तलाश जारी है।

विमान में छह लोग थे जांच जारी

मातूराम हलवाई की दुकान पर दिन दहाड़े फायरिंग

गोहाना। रविवार को दिनदहाड़े शहर की महिला थाना के निकट तीन बदमाशों ने जलेबियों के लिए देश-प्रदेश में मशहूर मातूराम राजेंद्र कुमार की दुकान पर फायरिंग की। यहां एक दूधिया गोली लगने से घायल हो गया। इसके बाद बदमाशों ने जाते समय पुरानी अनाज मंडी में भी फायरिंग की। दोनों लगभग 42 गोलियां चलाई गईं। शहर में मातूराम के यहां से दो करोड़ की रंगदारी मांगने की चर्चा है लेकिन पुलिस अभी जांच में जुटी हुई है। पुलिस का कहना है कि अभी रंगदारी मांगने की कोई शिकायत नहीं आई है। शहर में महिला थाना से कुछ दूरी पर स्थित शिव चौक के सामने नीरज गुप्ता और उनके भाई रमन गुप्ता मातूराम राजेंद्र कुमार के नाम से मिठाई की दुकान चलाते हैं।

42 गोलियां दागी, दो करोड़ रंगदारी मांगी

मौसम अलर्ट अभी दो दिन राहत मिलने के कोई आसार नहीं

पारा सामान्य से नीचे घना कोहरा पड़ रहा दृश्यता केवल दस मीटर तक रही

ठंड का सितम जारी, धूप न निकलने से बढ़ी ठिठुरन, 24 से बदलेगा मौसम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

पूरा हरियाणा भीषण ठंड की चपेट में है। शीतलहर और धूप नहीं निकलने से ठिठुरन बढ़ गई है। रविवार को छुट्टी होने के कारण लोग अपने घरों में दुबके रहे। वहीं प्रदेश के हरियाणा के 10 जिलों में मौसम ज्यादा खराब रहा। अंबाला, कुरुक्षेत्र, कैथल, करनाल, सोनीपत, पानीपत, सिरसा, फतेहाबाद, हिसार और जींद में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। बाकी जिलों में येलो अलर्ट है।

रविवार को घने कोहरे और बादलों के बीच यहां की विजीबिलिटी 10 मीटर तक रह गई। रिकार्ड तोड़ ठंड पिछले एक महीने से जारी है। हिसार में तापमान 2.8 डिग्री दर्ज किया गया। पहाड़ों पर बर्फ न पड़ने से प्रदेश में दिसम्बर व जनवरी मास में बारिश नहीं हुई। पश्चिमी विक्षोभ के एक्टिव न होने से भी ठंड लगातार बढ़ रही है। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो दिनों में हिसार, सिरसा, फतेहाबाद में ठंड से कोई राहत मिलने के कोई आसार नहीं है। 24 जनवरी से मौसम बदलने की उम्मीद है। इसकी वजह है कि पहाड़ों पर बर्फवारी होने की संभावना है, जिससे ठंड से राहत मिलेगी।

"अवधपुरी प्रभु आवत जानी, भई सकल सोभा कै खानी।
बहइ सुहावन त्रिबिध समीरा, भइ सरजू अति निर्मल नीरा।।"

Khadi India

अयोध्या स्थित नवनिर्मित मंदिर में
प्रभु श्री रामलला
की प्राण प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर आयोजित किए जा रहे

राम महोत्सव
व
खादी संवाद

22 जनवरी, 2024
झुम्पा, सिवानी (भिवानी), हरियाणा
में सभी
रामभक्तों
का हार्दिक स्वागत और अभिनंदन

मनोज कुमार
अध्यक्ष, केवीआईसी, भारत सरकार

खबर संक्षेप

राम मंदिर पोस्टर मेकिंग में अंजलि अव्वल

पंचकूला। राजकीय महाविद्यालय कालका की बीए प्रथम वर्ष की छात्रा अंजलि ने जिला स्तरीय पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता (राम मंदिर से संबंधित विषय) में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। यह प्रतियोगिता श्री माता मनसा देवी संस्कृत राजकीय महाविद्यालय पंचकूला में आयोजित की गई थी। राजकीय महाविद्यालय कालका की प्राचार्या प्रोमिला मलिक ने छात्रा अंजलि को बधाई दी और उसके उज्जवल भविष्य की कामना की। प्राचार्या प्रोमिला मलिक ने अपने संबोधन में कहा कि श्री राम युगों से प्रत्येक भारतवासी के आदर्श रहे हैं, उनके आदर्शों को आज के समय में आत्मसात करना युवा पीढ़ी का दायित्व है। युवा पीढ़ी को इसे लेकर आगे बढ़ना है।

भाजपा के नेतृत्व में सभी दस लोकसभा सीटों पर खिलेगा कमल : कैप्टन अभिमन्यु

मुख्यमंत्री व प्रदेश प्रभारी सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता स्पष्ट कर चुके गठबंधन बारे में स्थिति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने दावा किया है कि भारतीय जनता पार्टी की लोकसभा चुनाव के लिए पूरी तैयारियां है। प्रदेश में लोकसभा चुनाव पिछली बार की तरह ही होगा और सभी सीटों पर कमल का फूल खिलेगा। उन्होंने कहा कि वे पार्टी के कार्यकर्ता है और कार्यकर्ता के तौर पर संगठन उन्हें जो भी काम देगा, उसे वे पूरा करेंगे। पूर्व वित्तमंत्री यहां के सेक्टर 16-17 स्थित इंडस आरपीएस स्कूल में आयोजित स्नेह मिलन कार्यक्रम के उपरांत पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। जजपा से गठबंधन में चुनाव होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल, प्रदेश प्रभारी विप्लब कुमार देब व अन्य वरिष्ठ नेता ऐलान कर चुके हैं कि भाजपा की सभी लोकसभा सीटों पर तैयारी पूरी है, ऐसे में इस बारे और कुछ कहना बाकी नहीं रह जाता।

■ खुद को बताया भाजपा का समर्पित सिपाही, बोले- पार्टी जो ड्यूटी लगाएगी, वहीं करने को तत्पर

हिसार। इंडस आरपीएस स्कूल में स्नेह मिलन कार्यक्रम को संबोधित करते पूर्व वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के प्रति उत्साह

अयोध्या में सोमवार को होने वाली राम लला प्राण प्रतिष्ठा बारे बात करते हुए कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि भगवान राम को त्रेता युग में मात्र 14 वर्ष का वनवास हुआ था लेकिन कांग्रेस व कुछ सनातन धर्म विरोधी ताकतों के कारण भगवान राम को 550 वर्ष का वनवास भोगना पड़ा है। माननीय अदालत के निर्णय के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विशेष प्रयासों से देश में राम मंदिर बनने का रास्ता साफ हुआ है और अब वह शुभ घड़ी आ चुकी है, जिसका सनातन विचारधारा के लोगों को वर्षों से इंतजार था। उन्होंने कहा कि देशभर में दीवाली जैसा माहौल है, केवल भारत में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी जहां-जहां भारतीय रहते हैं, वहां-वहां सनातनी विचारधारा के लोग खुशी मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि देशभर में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के प्रति दीवाली जैसा माहौल है, हर नागरिक त्योहार मनाने को आतुर है।

ईडी द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा से पूछताछ के बाद गृहमंत्री अनिल विज द्वारा हुड्डा के जेल जाने बाबत दिए बयान पर उन्होंने कहा कि अदालतें व जांच एजेंसियां इस बारे में सभी तथ्यों के आधार पर कार्रवाई आगे बढ़ा रही है, जो भी रिजल्ट आएगा, वो उन नेताओं के कर्मों के हिसाब से आएगा, किए कर्म तो भोगने ही पड़ेंगे। लोकसभा चुनाव में खुद की दावेदारी बारे पूछे जाने पर पूर्व वित्तमंत्री ने कहा कि वे पार्टी के समर्पित सिपाही है, कश्मीर से कन्याकुमारी तक पार्टी उनकी जो ड्यूटी लगाएगी, वो काम वे करने को तैयार हैं। भाजपा का कार्यकर्ता अपनी उम्मीदवारी नहीं बल्कि चुनाव के दौरान कमल का फूल उगते हुए देखने के लिए तत्पर है।

देश और दुनिया के करोड़ों लोगों के मन की बात होगी पूरी : मुख्यमंत्री

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पर देश में आज मनेगी दिवाली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरुक्षेत्र

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि अयोध्या में भगवान श्रीराम के विराजमान होने से देश और दुनिया के करोड़ों लोगों के मन की बात पूरी होगी। इस दिन का इंतजार पिछले 500 सालों से किया जा रहा था। इस इंतजार की घड़ियां 22 जनवरी को भगवान श्रीराम के घर पहुंचने पर पूरी हो जाएंगी। इस कार्य के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बधाई के पात्र है। उनके प्रयासों से ही करोड़ों लोगों की मनोकामना पूर्ण हो पाई है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल रविवार को हरियाणा कला परिषद के परिसर में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने हरियाणा कला परिषद के सभागार में नगर निगम पार्षद एवं नगर परिषद चेयरमैन के प्रशिक्षण शिविर का दीपशिखा प्रज्वलित करके शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश के सभी नागरिकों को भगवान श्री राम के घर आने की पूर्व संध्या पर बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि 22 जनवरी को अयोध्या राम जन्मभूमि पर बनाए गए भव्य मंदिर में भगवान श्रीराम की घर वापसी होगी। इस दिन प्रभु के घर में विराजमान होने से करोड़ों लोग दीपावली जैसा उत्सव मनाएगे। इस पावन पर्व को लेकर करोड़ों लोगों के जेहन में उत्साह और उमंग साफ देखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि अयोध्या जाने के लिए सभी की ड्यूटियां और दिन निर्धारित किया गया है। इस कड़ी के तहत 8 व 9 फरवरी को हरियाणा का दिन तय किया गया है। इस दिन अयोध्या के लिए एक विशेष ट्रेन चलेंगी। इस ट्रेन के माध्यम से हरियाणा के लोग भगवान श्रीराम के दर्शन कर सकेंगे। इस पावन पर्व को लेकर पूरे प्रदेश में 22 जनवरी को हर गांव और शहर में धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन की तैयारियां लोगों ने की हुई है। उन्होंने बैठक में शहरी क्षेत्र के विकास कार्यों को लेकर चर्चा की और अधूरे पड़े विकास कार्यों को तेज गति के साथ पूरा करने के आवश्यक दिशा-निर्देश दिए है।

■ मुख्यमंत्री ने पार्षदों व चेयरमैनों के प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ किया

कुरुक्षेत्र। कार्यक्रम का शुभारंभ करते मुख्यमंत्री मनोहर लाल।

मुख्यमंत्री ने तमिल संगम के पोंगल महोत्सव में की शिरकत

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने शनिवार देर सायं चंडीगढ़ तमिल संगम द्वारा आयोजित पोंगल महोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की और देवी मां तमिल मंदिर का उद्घाटन किया। उन्होंने संत कवि तिरुवल्लुवर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया और सभी को पोंगल महोत्सव की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण मुख्यमंत्री द्वारा शुद्ध तमिल भाषा में दिया गया पंद्रह मिनट का भाषण रहा। जब मुख्यमंत्री ने तमिल भाषा में अपना भाषण शुरू किया तब वहां उपस्थित लोग आश्चर्यचकित तथा आनंदित हो उठे और तमिल भाषा में अपना भाषण देने के लिए तालियों की गड़गड़ाहट से मुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया।

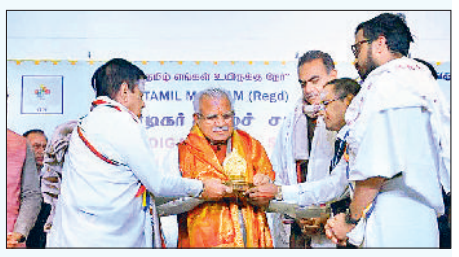

शोभायात्रा में शामिल हुएः पानीपत। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाली प्राण प्रतिष्ठा की पूर्व संध्या पर रविवार को पानीपत में आयोजित श्री राम मंदिर शोभा यात्रा में बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए कहा कि पूरी दुनिया एक स्वर में आज राम को अपनी आस्था का आधार कह रही है। भगवान राम का नाम कोई एक व्यक्ति से संबंधित नहीं है, राम एक राष्ट्र है, एक सांस्कृतिक विचार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस तरह भगवान राम ने जीवन की अपनी भूमिका में अपनी मर्यादा और अपने धर्म को निभाया, इस तरह के व्यवहार को अपने जीवन में भी अपनाएं।

हिसार के ऋषि नगर में घुसे तेंदुए को रेस्क्यू टीम ने सात घंटे की मशक्कत के बाद पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

शहर के ऋषि नगर में रविवार सुबह तेंदुए के घुस जाने से आसपास के एरिया में दहशत फैल गई। मामले की सूचना मिलने पर पुलिस, वन्य प्राणी विभाग तथा स्टेट डिजास्टर रेस्क्यू फोर्स मौके पर पहुंची। करीब 9 बजे संयुक्त रेस्क्यू टीम ने सर्च अभियान शुरू कर दिया। दो बार असफल होने के बाद तीसरे प्रयास में तेंदुए को रेस्क्यू कर लिया गया। रेस्क्यू के दौरान रोहतक से आई वन्य विभाग की टीम ने ट्रेंकुलाइजर गन से तेंदुए को बेहोश किया और पिंजरे में डालकर अपने साथ ले गई। करीब 7 घंटे बाद क्षेत्रवासियों ने राहत की सांस ली।

■ तेंदुए के हमले में एक कर्मचारी बाल बाल बचा

उधर, रेस्क्यू किए जाने से पहले वन्य प्राणी विभाग के एक कर्मचारी मनजीत पर भी तेंदुए ने हमला किया, लेकिन वह बाल-बाल बच गया। रेस्क्यू अभियान के दौरान तेंदुए ने कुल तीन लोगों पर हमला किया। हिसार क्षेत्र में तेंदुए मिलने की यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी गांव धांसू तथा बुड़ाक गांवों से तेंदुए को पकड़ा जा चुका है।

नारनौल के नायन में भी दिखा तेंदुआ

नारनौल। राजस्थान की ओर से भटक कर नायन अरावली में पहुंचे तेंदुए से ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों की सूचना के बाद विभागीय कर्मियों ने इसकी तलाश शुरू कर दी है। वाइल्ड लाइफ व वन विभाग के कर्मचारियों ने ग्रामीणों को अभी अरावली पहाड़ी की ओर नही जाने की सलाह दी है। नायन गांव के साथ लगती ग्रामीणों ने बताया कि नायन गांव के साथ लगती अरावली पहाड़ी राजस्थान के तसींग तक फैली हुई है। इसके साथ ही घना वन क्षेत्र है। कुछ ग्रामीणों को अरावली में स्थित माता मंदिर के पास एकबार फिर तेंदुआ नजर आया। बाद में मंदिर के महाराज शंकर गिरी ने भी तेंदुए को देखा।

चुनावी मोड में कांग्रेस, चार कमेटियों का गठन

तीन कमेटियों में हुड्डा गुट का दबदबा, सैलजा, किरण और सुरजेवाला भी शामिल

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

कांग्रेस ने रविवार को हरियाणा में इलेक्शन व मैनिफेस्टो कमेटी की घोषणा कर 2024 में होने वाले लोकसभा व विधानसभा चुनावों की तैयारी का आगाज कर दिया। अपने नजदीकी उदयभान को प्रदेश अध्यक्ष के पद पर बिठाने के बाद चुनाव से पहले रविवार को घोषित दोनों कमेटियों में भी हुड्डा गुट का दबदबा बना रहा। कांग्रेस नेतृत्व ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष उदयभान को इलेक्शन कमेटी और गीता भुक्कल को इलेक्शन मैनिफेस्टो कमेटी और भारत भूषण बत्तरा को कन्वीनर नियुक्त किया है। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी दीपक बावरिया को राजनीतिक मामलों की समिति की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अनुशासन समिति की जिम्मेदारी महिंद्रा प्रताप, फूलचंद मुलाना, विधायक जगबीर मलिक को दी गई है। राजनीतिक मामलों को छोड़कर रविवार को गठित सभी कमेटियों के चेयरमैन की जिम्मेदारी हुड्डा के नजदीकी नेताओं को देकर कांग्रेस आलाकमान ने भूपेंद्र सिंह हुड्डा की पसंद को प्राथमिकता देकर हुड्डा विरोधी नेताओं को अपना संदेश दे दिया है।

प्रदेश इलेक्शन कमेटी

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष उदयभान को इसका चेयरमैन बनाया गया है। भूपेंद्र सिंह हुड्डा, कुमारी सैलजा, रणदीप सिंह सुरजेवाला, किरण चौधरी, दीपेंद्र सिंह हुड्डा को कमेटी में शामिल किया गया है। वहीं राजनीति मामलो की कमेटी में प्रदेश कांग्रेस प्रभारी दीपक बावरिया को इसका चेयरमैन नियुक्त किया गया है। जबकि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष उदयभान, भूपेंद्र सिंह हुड्डा, कुमारी सैलजा, किरण चौधरी, रणदीप सुरजेवाला व दीपेंद्र हुड्डा को इसमें जगह दी गई है।

चुनाव घोषणा कमेटी

चुनाव घोषणा (मैनिफेस्टो) कमेटी की जिम्मेदारी पूर्व शिक्षा मंत्री गीता भुक्कल को दी गई है। जबकि विधायक भारत भूषण बतरा को कन्वीनर बनाया गया है। वहीं कांग्रेस ने अपनी अनुशासन समिति के चेयरमैन की जिम्मेदारी महिंद्रा प्रताप, फूलचंद मुलाना, विधायक जगबीर मलिक को दी है। जबकि चक्रवर्ती शर्मा को कमेटी का सदस्य बनाया है।

एसआरके गुट पर भारी

गांधी परिवार से नजदीकी के चलते रणदीप सिंह सुरजेवाला व कुमारी सैलजा भले ही केंद्रीय कार्यकारिणी में अहम जिम्मेदारी निभा रहे हों, परंतु प्रदेश कांग्रेस की राजनीति में भूपेंद्र सिंह हुड्डा एक बार फिर दोनों पर भारी पड़े हैं। कांग्रेस की घर घर कांग्रेस, हर घर कांग्रेस यात्रा के समानान्तर हिसार से जनसंदेश यात्रा का आगाज कर चुकी एसआरके कांग्रेस के नेताओं को प्रदेश कांग्रेस संगठन में अपना दबदबा कायम रखकर बड़ा झटका दिया है। एसआरके कांग्रेस में कुमारी सैलजा, रणदीप सिंह सुरजेवाला व किरण चौधरी प्रमुख चेहरे हैं। हिसार में पूर्व उपमुख्यमंत्री चंद्रमोहन ने सैलजा को मुख्यमंत्री फेस बताया था।

डीएसपी की पदोन्नति का मामला लटका, मुख्य सचिव कार्यालय ने फाइलों को आधी-अधूरी बताकर लौटाया

एसीआर भी कंप्लीट नहीं , सीएस ऑफिस ने कुछ अन्य आपत्तियां भी लगाई

योगेंद्र शर्मा ▶▶ चंडीगढ़

पदोन्नति का इंतजार कर रहे दर्जन भर डीएसपी को अभी और इंतजार करना होगा, क्योंकि मुख्य सचिव आफिस से उनकी आधी-अधूरी फाइलों को एक बार फिर वापस लौटा दिया है। इनकी एसीआर और अन्य दस्तावेज पूरे कर भेजने के बाद ही इस पर विचार होगा। पिछले सप्ताह वापस भेजी गई फाइलों को पूरा करने में अभी वक्त लगेगा। मुख्य सचिव ऑफिस की ओर से अध्ययन और दिशा निर्देशों के बाद 13 एचपीएस अफसरों की फाइल लौटाई गई थीं। इनको अभी पदोन्नति के लिए फाइलों में दस्तावेजों की पूर्ति, एसीआर को पूरी कराने व लगाए गई अन्य आपत्तियां दूर करनी होंगी। इंतजार करना। खास बात यह है कि इनमें आधी अधूरी फाइल और एसीआर भी कंप्लीट नहीं है, जिसके कारण फाइल लौटाई गई हैं, इसके अलावा कुछ अन्य आपत्तियां लगाई हैं।

■ डीजीपी सीएस कार्यालय से संपर्क में

भरोसेमंद उच्चपदस्थ सूत्रों का कहना है कि एचपीएस अफसरों की एसीआर अधूरी थी जिसके कारण इंटीग्रिटी सर्टिफिकेट नहीं दिया जा सकता है। पुलिस निदेशालय और गृह विभाग से दोबारा फाइलों को मुख्य सचिव कार्यालय भेजा जाएगा। अहम पहलू यह है कि पदोन्नति का इंतजार करने वाले अधिकारियों को एक बार फिर से झटका लगा है खुद प्रदेश के डीजीपी शत्रुजीत कपूर पदोन्नति देने के लिए मुख्य सचिव ऑफिस में बातचीत कर मामले का हल निकालने को लेकर गंभीर हैं। लेकिन आपत्तियों को दूर करने और फाइलों को पूरी करने के बाद ही भेजा जाएगा। वर्ष 2020 के लिए 5 और इसी क्रम में वर्ष 2021 के लिए 4 इसके अलावा चार पद हैं जिन पर आईपीएस पदोन्नत होने हैं। वर्ष 2020 के लिए 15 अफसरों के नाम लाइन में हैं, जिनमें से एक की मौत हो चुकी है। तीन सेवानिवृत्त हो चुके हैं। इन 15 अफसरों में अशोक 10 नवंबर 2022 को दिवंगत हो चुके हैं। देशबंधु निलंबित (30 अप्रैल 2022) को रिटायर हुए।

सुमेर सिंह, ध्यान सिंह, मुकेश कुमार, सुरेश कुमार, वीरेंद्र सिंह सांगवान, कृष्ण कुमार (30 जून 2023 को) रिटायर हो चुके हैं। धर्मवीर सिंह, बलजिंदर, जयवीर सिंह और कुशल पाल सिंह, राजकुमार वालिया, सुरेश कुमार (31 अक्टूबर 2023को रिटायर हुए ताहिर हुसैन शामिल हैं। इनमें अशोक कुमार दिवंगत औऱ देशबंधु का इंटेग्रिटी सर्टिफिकेट को डीजीपी द्वारा प्रमाणित नहीं किया गया है। 2021 के लिए चार पदों के लिए 12 अफसरों के नाम शामिल हैं। इनमें 2020 के जोन वाले अशोक कुमार दिवंगत, कृष्ण कुमार 30 जून 23 में रिटायर हो गए हैं। धर्मबीर सिंह बलजिंद्र, जयबीर सिंह, कुशलपाल सिंह, राजकुमार वालिया, सुरेश कुमार 31 अक्टूबर-23 में रिटायर हो गए हैं. ताहिर हुसैन शामिल हैं। जबकि राजेश कुमार ममता खरब, रविंद्र कुमार तोमर नए शामिल हुए हैं। इसमें अशोक कुमार मृत का इंटीग्रेटी सर्टिफिकेट डीजीपी द्वारा प्रमाणित नहीं किया गया। इनमें से 2022 के लिए चार पदों के लिए 12 अफसरों क नाम जोन में शामिल है। 2021 जोन के कुशलपाल सिंह, राजकुमार वालिया, ताहिर हुसैन, राजेश कुमार, ममता खरब, रविंद्र कुमार तोमर, नरेंद्र सिंह, रविंद्र कुमार, विजय सिंह, सिद्धार्थ ढांडा, तान्या सिंह, करण गोयल शामिल हैं। इनमें से कुशलपाल सिंह राजकुमार वालिया ताहिर, राजेश फोगाट ममता खरब औऱ रविंद्र कुमार तोमर नरेंद्र सिंह कादियान, विज सिंह सिद्धार्थ ढांडा करण गोयल को इंटिग्रिटी सर्टिफिकेट डीजीपी द्वारा प्रमाणित कर दिए गए हैं।

नागेंद्र शर्मा बने हरियाणा कला परिषद के निदेशक

कुरुक्षेत्र। हरियाणा कला परिषद द्वारा प्रदेश की कला और संस्कृति को नए आयाम देने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में प्रदेश सरकार द्वारा हरियाणा कला परिषद के निदेशक के पद पर अम्बाला से रंगकर्मी एवं हरियाणा कला परिषद अम्बाला मण्डल के अतिरिक्त निदेशक नागेंद्र कुमार शर्मा को नियुक्त किया तथा रविवार को मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने नागेंद्र शर्मा को निदेशक की कुर्सी पर बैठाकर कला परिषद की बागडोर सौम्पी। यह जानकारी हरियाणा कला परिषद के मीडिया प्रभारी विकास शर्मा ने दी। गौरतलब है कि नागेंद्र शर्मा वर्ष 2019 से हरियाणा कला परिषद में अतिरिक्त निदेशक के पद पर कार्यरत थे।

कब्जा सूचना-(अचल सम्पत्ति हेतु) नियम 8-(1)

चूंकि, प्रतिभूति हित अधिनियम, 2002 के प्रवर्तन और वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रत्यभूतिकरण और पुनर्निर्माण के तहत आई आईएफएल होम फाइनैंस लिमिटेड (पूर्व में इंडिया इंफोलाइन हाउसिंग फाइनैंस लि. के रूप में जानी जाती) (आईआईएफएल एचएफएल) का प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते अधोहस्ताक्षरी द्वारा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमों, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये कम्पनी के प्राधिकृत सचिवारी द्वारा एक डिमांड नोटिस जारी किया गया था जिसमें यहां नीचे वर्णित कर्जदारों / सह-कर्जदारों को उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिन के अंदर सूचना में वर्णित राशि का पुनर्भुगतान करने के लिये कहा गया। कर्जदार द्वारा राशि का पुनर्भुगतान करने में विफल रहने पर, कर्जदार को और आम जन को सामान्यतः एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमों के नियम 8 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13 (4) के तहत उनको प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का कब्जा ले लिया है। कर्जदार को विशेषतः और आमजन को सामान्यतः एतद् द्वारा सम्पत्ति के साथ डील नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और सम्पत्ति के साथ कोई भी डीलिंग उस पर ब्याज सहित यहां नीचे वर्णितानुसार राशि के लिये आईआईएफएल एचएफएल की वसूली के अधीन होगी।

"कर्जदार का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों की तरफ आमंत्रित किया जाता है, यदि कर्जदार बिक्री अथवा हस्तांतरण के लिये निर्धारित तिथि से पूर्व किसी भी समय सभी लागतों, हुये परिव्ययों और व्यय सहित "आईआईएफएल एचएफएल" को देय भुगतान कर देता है, प्रत्याभूत परिसम्पत्तियों को "आईआईएफएल एचएफएल" द्वारा बेचा अथवा हस्तांतरित नहीं किया जाएगा और प्रत्याभूत परिसम्पत्तियों के हस्तांतरण अथवा बिक्री हेतु "आईआईएफएल एचएफएल" द्वारा आगे कोई कदम नहीं उठाया जाएगा।"

कर्जदार(रें) का नाम पानीपत शाखा	प्रत्याभूत परिसम्पत्ति (अचल सम्पत्ति) का वर्णन	कुल बकाया देय (रु.)	डिमांड नोटिस की तिथि	कब्जे की तिथि
श्री सुरेश कुमार, श्रीमती अनुराधा और सुरेश डेयरी फार्म (प्रोस्पैक्ट नं. IL10430428)	सम्पत्ति के सभी भाग व हिस्से : प्लॉट/हाउस यूआईडी नं. 8676onoo0406or027r1, गांव जंढेड़ा, तहसील लाडवा, निकट राजकीय विद्यालय, कुरुक्षेत्र, हरियाणा, भारत, 136132 क्षेत्रफल (वर्गफुट में) : सम्पत्ति का प्रकार : Land area, Carpet area, Built up area सम्पत्ति क्षेत्रफल : 1481.00, 1852.00, 2315.00	रु. 2,92,465/- (रुपये दो लाख बानवे हजार चार सौ पैंसठ केवल)	10-अक्टू.-2023	16-जन.-24
श्री मंगा राम, श्रीमती चन्नी देवी, श्रीमती सुन्दर सिंह, चन्नी स्टीचिंग सेंटर और मंगा प्लम्बर कांट्रेक्टर्स वर्क्स (प्रोस्पैक्ट नं. IL10377785)	सम्पत्ति के सभी भाग व हिस्से : प्लॉट/हाउस यूआईडी नं. 578840067 गांव गोलनपुर, तहसील जगाधरी, हरनौल, निकट राजकीय विद्यालय, यमुनानगर, हरियाणा, भारत, 135001 क्षेत्रफल (वर्गफुट में) : सम्पत्ति का प्रकार : Land_Area, Built_Up_Area, Carpet_Area सम्पत्ति क्षेत्रफल : 1404.00, 1067.00, 854.00	रु. 3,89,304/- (रुपये तीन लाख नवासी हजार तीन सौ चार केवल)	10-अक्टू.-2023	16-जन.-24
श्रीमती साजिदा, श्री आनम और मलिक डेयरी (प्रोस्पैक्ट नं. IL10323625)	सम्पत्ति के सभी भाग व हिस्से : खेवट नं. 295/256 खतौनी नं. 327 में से सम्पत्ति, खसरा नं. 32//12 (719) में निहित, वार्ड नं. 21, भगत कॉलोनी, गांव सौंधापुर, पानीपत सिटी निकट गैस गोदाम पानीपत हरियाणा, भारत-132103 क्षेत्रफल (वर्गफुट में) : सम्पत्ति का प्रकार : Land Area, Built Up Area, Carpet Area सम्पत्ति क्षेत्रफल : 630.00, 516.00,413.00	रु. 9,77,851/- (रुपये नौ लाख सतहत्तर हजार आठ सौ इक्यावन केवल)	10-अक्टू.-2023	17-जन.-24

अधिक विवरण हेतु कृपया प्राधिकृत अधिकारी से शाखा कार्यालय : 1176/3, प्रथम तल, नवल सिनेमा के सामने, जी.टी. रोड, पानीपत-132103 / अथवा कॉर्पोरेट कार्यालय : प्लॉट नं. 98, फेज-IV, उद्योग विहार, गुड़गांव, हरियाणा में सम्पर्क करें।
स्थान : पानीपत दिनांक : 22.01.2024 हस्ता/- प्राधिकृत अधिकारी, कृते आईआईएफएल होम फाइनैंस लिमिटेड

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

सबको हरिभूमि की राम-राम

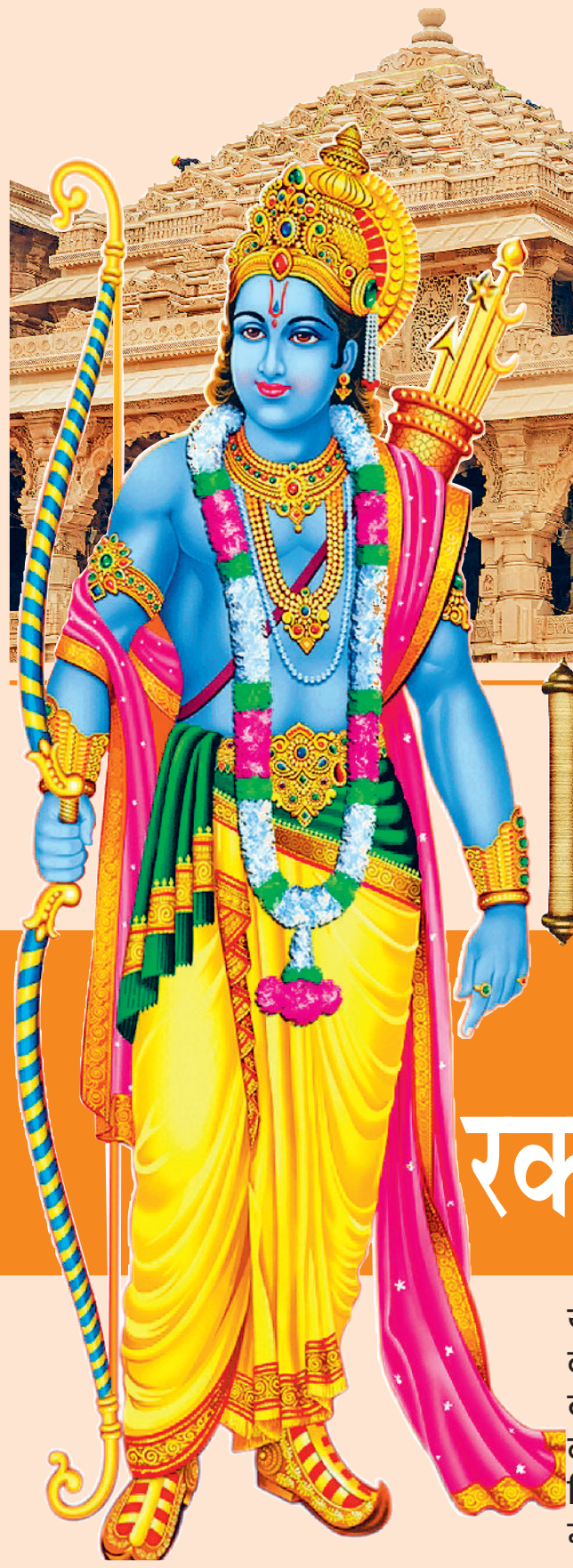

अयोध्या विवाद का फैसला

500 साल पहले शुरू हुआ था विवाद

206 साल लगे इस विवाद में फैसला आने में

05 जजों की संवैधानिक पीठ ने सुनाया फैसला

40 दिन तक सुप्रीम कोर्ट में लगातार सुनवाई

2.77 एकड़ विवादित भूमि राम मंदिर के लिए दी गई

5 एकड़ जमीन अलग से मिली मुस्लिम पक्ष को

अवधपुरी प्रभु आवत जानी। भई सकल सोभा कै खानी॥
बहइ सुहावन त्रिबिध समीरा। भइ सरजू अति निर्मल नीरा॥

भावार्थः- प्रभु को आते जानकर अवधपुरी संपूर्ण शोभाओं की खान हो गई। तीनों प्रकार की सुंदर वायु बहने लगी। सरयू अति निर्मल जलवाली हो गईं (अर्थात सरयू का जल अत्यंत निर्मल हो गया)।

बहुतक चढ़ीं अटारिन्ह निरखहिं गगन बिमान।
देखि मधुर सुर हरषित करहिं सुमंगल गान॥

भावार्थः- बहुत-सी स्त्रियाँ अटारियों पर चढ़ीं आकाश में विमान देख रही हैं और उसे देखकर हर्षित होकर मीठे स्वर से सुंदर मंगल गीत गा रही हैं॥

500 वर्ष बाद अयोध्या में अराध्य की प्राण प्रतिष्ठा

रक्त, राजनीति और भक्ति की गौरव गाथा

यह क्षण पुलकित करने वाला है। भारत का कण–कण राम...राम....मेरे राम बोल रहा है। धरा हर्षित है देश के अंतर्मन में श्रीराम के नाम की गूंज सुनाई दे रही है। वैसे तो प्राण प्रतिष्ठा अयोध्या में होगी लेकिन आज देश के हर कोने में प्रसन्नता का भाव होगा। पल होगा पांच सौ वर्ष की प्रतीक्षा के अंत का....पल होगा खंड-खंड मंदिर के एक कोने में तंबू में रहे भारत के अराध्य श्री राम के भव्य मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का। गौरवान्वित करने वाले क्षण को ऐतिहासिक बनाने के लिए हरिभूमि ने यह विशेष अंक प्रकाशित किया है। यह अंक श्रीराम के लिए किए गए पांच सौ वर्ष के संघर्ष का साक्षी बनेगा तो प्राण प्रतिष्ठा के भावुक क्षण पर भावनाएं प्रकट करने का माध्यम भी। इस अंक श्रीराम मंदिर के लिए जीवन खपा देने वालों की दास्तां हैं तो मनीषियों के भाव भी।

ये हैं राममंदिर की नींव

अशोक सिंघल | लालकृष्ण आडवाणी | मुरली मनोहर जोशी | कल्याण सिंह
विनय कटियार | प्रवीण तोगड़िया | साध्वी ऋतंभरा | उमा भारती

हरिभूमि के लिए इन्होंने लिखे अनमोल भाव

श्री श्री रविशंकर अध्यात्मिक गुरु | श्रीमहंत फूलडोल बिहारी दास | आचार्य सत्येंद्र दास मुख्य पुजारी | पं. महेश पुजारी महाकालेश्वर मंदिर | सदगुरु वासुदेव जग्गी महाराज
गुरु शरण महाराज | अवधेशानंद जी महाराज | पंडित प्रदीप मिश्रा कथा वाचक | ज्ञान दास जी अयोध्या धाम | महंत जगदीश दास

कोठारी बंधुओं ने फहराया था भगवा

21 से 30 अक्टूबर 1990 तक अयोध्या में लाखों कारसेवक जुट चुके थे। सब विवादित स्थल की ओर जाने की तैयारी में थे। विवादित स्थल के चारों तरफ भारी सुरक्षा थी। अयोध्या में लगे कर्फ्यू के बीच सुबह करीब 10 बजे चारों दिशाओं से बाबरी मस्जिद की ओर कारसेवक बढ़ने लगे। इनका नेतृत्व कर रहे थे अशोक सिंघल, उमा भारती, विनय कटियार जैसे नेता। विवादित स्थल के चारों तरफ और अयोध्या शहर में यूपी पीएसी के करीब 30 हजार जवान तैनात किए गए थे। इसी दिन बाबरी मस्जिद की गुंबद पर शरद (20 साल) और रामकुमार कोठारी (23 साल) नाम के भाइयों ने भगवा झंडा फहराया।

3 दिन बाद फायरिंग में गई थी जान

कोठारी भाइयों के दोस्त राजेश अग्रवाल के अनुसार 22 अक्टूबर की रात शरद और रामकुमार कोठारी बनारस आकर रुक गए थे। सरकार ने ट्रेनें और बसें बंद कर रखी थीं तो वे टैक्सी से आजमगढ़ के फूलपुर कस्बे तक आए। दोनों करीब 200 किलोमीटर पैदल चलने के बाद 30 अक्टूबर को दोनों अयोध्या पहुंचे।

2 नवंबर को दोनों भाइयों को लगी गोली, गई जान

किताब 'अयोध्या के चश्मदीद' के अनुसार 30 अक्टूबर को गुंबद पर झंडा लहराने के बाद शरद और रामकुमार 2 नवंबर को विनय कटियार के नेतृत्व में दिगंबर अखाड़े की तरफ से हनुमानगढ़ी की तरफ जा रहे थे। जब पुलिस ने गोली चलाई तो दोनों पीछे हटकर लाल कोठी वाली गली के एक घर में छिप गए, लेकिन थोड़ी देर बाद जब वे दोनों बाहर निकले तो पुलिस फायरिंग का शिकार बन गए। दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

भव्य है श्रीराम मंदिर

107 एकड़ में मंदिर प्रांगण | **2.77** एकड़ में मुख्य मंदिर का एरिया | **161** फीट मंदिर की ऊंचाई | **235** फीट मंदिर की चौड़ाई

ऐसा रहा श्रीराम जन्म भूमि अयोध्या का इतिहास

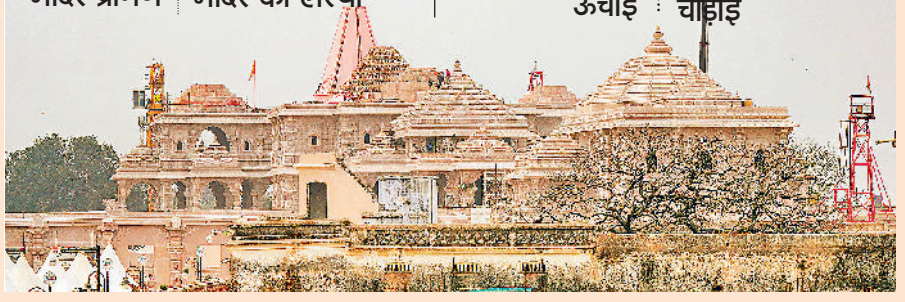

साल 1528
बाबरी मस्जिद का निर्माण
बाबरी मस्जिद का निर्माण मुगल सम्राट कमांडर मीर बाकी ने कराया था। मीर बाकी ने ही इस मस्जिद का नाम बाबरी रखा था।

साल 1885
कोर्ट पहुंचा मामला
मामला पहली बार अदालत में पहुंचा। महंत रघुवरदास ने फैजाबाद अदालत में बाबरी मस्जिद से लगे राम मंदिर के निर्माण की इजाजत के लिए अपील दायर की।

साल 1950
पूजा के लिए मुकदमा
गोपाल सिंह विषारद ने फैजाबाद कोर्ट में मुकदमा दायर करके पूजा के अधिकार की मांग की थी। इसी केस के बाद हिंदुओं को मंदिर में पूजा-अर्चना का अधिकार मिला था।

साल 1950
मूर्तियां रखने मुकदमा
परमहंस रामचंद्र दास ने पूजा और मूर्तियों को रखने की लिए फैजाबाद कोर्ट में मुकदमा दायर किया था। परमहंस के इस कदम से राम मंदिर के आंदोलन को नई धार मिली।

साल 1959
विवादित स्थल पर मुकदमा
निर्मोही अखाड़ा ने विवादित स्थल पर कब्जे के लिए मुकदमा दायर किया।

साल 1981
वक्फ बोर्ड ने किया मुकदमा
यूपी सुन्नी वक्फ बोर्ड ने कब्जे को लेकर मुकदमा दायर किया।

साल 1986
हिंदुओं को पूजा करने की मिली अनुमति
1 फरवरी, 1986: स्थानीय अदालत ने स्थल को हिंदुओं की पूजा के लिए खोलने का आदेश दिया।

साल 1989
हिंदू पक्ष को राहत
14 अगस्त, 1989: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मामले में यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया।

साल 1992
बाबरी विध्वंस
6 दिसंबर, 1992: विवादित ढांचे को ढहा दिया गया। इसके बाद राम मंदिर के लिए आंदोलन ने और गति पकड़ी।

साल 2002
इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंचा मामला
अप्रैल 2002: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने विवादित स्थल पर मालिकाना हक को लेकर सुनवाई शुरू की।

साल 2010
इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सुनाया फैसला
30 सितंबर, 2010: हाईकोर्ट ने विवादित स्थल को तीन बराबर हिस्सों में सुन्नी वक्फ बोर्ड, निर्मोही अखाड़ा और रामलला में बांटने का फैसला सुनाया।

साल 2011
हाईकोर्ट के फैसले पर 'सुप्रीम' रोक
सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के तीन बराबर हिस्सों में बांटने के फैसले पर रोक लगाई।

साल 2018
सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई शुरू
8 फरवरी, 2018: सुप्रीम कोर्ट ने सिविल अपीलों पर सुनवाई शुरू की।

साल 2019
संवैधानिक पीठ का गठन
सुप्रीम कोर्ट ने चीफ जस्टिस रंजन गोगोई की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय संविधान पीठ का गठन किया।

राम मंदिर पर ऐतिहासिक फैसला

2019 — **09 नवंबर**: सुप्रीम कोर्ट के 5 जजों की बेंच ने श्री राम जन्म भूमि के पक्ष में फैसला सुनाया। 2.77 एकड़ विवादित भूमि हिंदू पक्ष को मिली और मस्जिद के लिए अलग से 5 एकड़ जमीन मुस्लिम पक्ष को मुहैया कराने का आदेश दिया गया।

श्री राम मंदिर आंदोलन के दौरान पालथी मारकर कभी आराम से भोजन नहीं किया

साध्वी ऋतंभरा दीदी मां

श्री राम मंदिर के लिए काफी कीमत चुकाई अपमान झेले

इतने भाषण दिए थे कि गले में खून का थक्का जम गया था

श्री राम मंदिर के लिए काफी कीमत चुकाई, अपमान झेले। जो प्रताड़ना दी गईं, वह कभी भुलाई नहीं जा सकतीं। आंदोलन के दौरान भाषण देने इंदौर गई थी, तब मुझे एक घर से दिग्विजय सिंह की सरकार के इशारे पर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने ऐसा तांडव मचाया कि डर के कारण उस घर की महिला का गर्भपात हो गया। इंदौर में सेंट्रल जेल थी, लेकिन पुलिस मुझे वहां नहीं ले गई। जंगल-जंगल सारा दिन घुमाते हुए मुझे ग्वालियर की जेल ले गए। उस वक्त भाषण बहुत देने होते थे। ऐसे में मुझे अस्थमा था। अस्थमा रोगी को इनहेलर तुरंत चाहिए होता है, लेकिन उन लोगों ने न तो इनहेलर लेने दिया और न ही दवाएं। ग्वालियर की जेल में जिस बैरक में रखा, उसमें 70-72 लोग थे। बहुत से झींगुर थे। शौचालय में घुटनों तक मलमूत्र भरा था। दुर्गंध के बीच सांस लेना भी मुश्किल हो रहा था। बड़ा सा बल्ब मेरे सिर के ऊपर लगा दिया। जिससे उसकी तेज रोशनी में मैं सो न पाऊं। ये मेरे खिलाफ षड्यंत्र था दिग्विजय सिंह की सरकार का। चार दिन मुझे अवैध रूप से बैरक में रखा। जबकि बड़े से बड़े अपराधी को 24 घंटे में कोर्ट के सामने ले जाया जाता है। मेरे साथ ऐसा व्यवहार कर रहे थे, जैसे मैं पाकिस्तान से आई आतंकवादी हूं। इसी तरह नागपुर में भाषण के बाद ही गिरफ्तार करने की योजना बनी। मेरे कार्यकर्ताओं ने ये बताया तो मैं स्टेज से कूद गई। मेरे साथ गुरु बहन साध्वी साक्षी थीं। हम पीछे दौड़ते गलियों में गए। एक लकड़ी के कारखाने में बुरादे के बोरे में छिपकर खुद को बचाया। भेष बदलकर इतनी बार भागना पड़ा कि उसकी गिनती नहीं। ललितपुर में सभा के दौरान जिस घर में मैं रुकी थी, पुलिस ने वह घर घेर लिया। मेरे लंबे बाल थे, सारे बाल काटकर छोटे करने पड़े। ललितपुर में मैंने साड़ी पहनी और एक बच्चा गोद में लिया, तब पुलिस से बचकर निकली। इंदौर में एक आधुनिक लड़की बनकर साइकिल चलाते पुलिस के सामने से निकलना पड़ा, ताकि वह पहचान न सके।

हमारी तो भूमिका एक गिलहरी के जैसी थी

रामविलास वेदांती को मुझे राम मंदिर आंदोलन में ले जाने का श्रेय जाता है। वह उत्तर प्रदेश के जालौन में एक गांव में जनसभा में मुझे मिले। उन्होंने हमें रामजन्मभूमि आंदोलन में आने को कहा। तब हम अयोध्या गए थे, वहां सरयू का जल हाथ में लेकर रामकाज करने की शपथ ली और अपना जीवन रामजन्मभूमि आंदोलन को समर्पित कर दिया। विहिप का ये आंदोलन था, मार्गदर्शक मंडल के संतों ने सब तय किया था। अशोक सिंघल जी, आचार्य गिरिराज किशोर, दिगंबर अखाड़े के रामचंद्र परमहंस समेत बड़े-बड़े संत थे। हमारी तो भूमिका एक गिलहरी के जैसी थी। हां, इतना जरूर था कि जिस जनसभा में ऋतंभरा को बोलना होता था, उस मंच पर किसी और का भाषण सुनने को जनता तैयार नहीं होती थी। मैं प्रमुख चेहरों में खुद को नहीं मानती।

कंटेंट टीम : अयोध्या से राजेंद्र पांडे, मथुरा से डॉ. कमलकांत उपमन्यु, भोपाल से मधुरिमा राजपाल, सीहोर से जुगलकिशोर पटेल, दतिया से राजीव मिश्रा।
ग्राफिक्स एवं ले-आउट- अशोक कुमार साहू, गोपीचंद जायसवाल

एक समय सब सहित समाजा। राजसभाँ रघुराजु बिराजा॥
सकल सुकृत मूरति नरनाहू। राम सुजसु सुनि अतिहि उछाहू॥

एक समय रघुकुल के राजा दशरथजी अपने सारे समाज सहित राजसभा में विराजमान थे। महाराज समस्त पुण्यों की मूर्ति हैं, उन्हें श्री रामचन्द्रजी का सुंदर यश सुनकर अत्यन्त आनंद हो रहा है॥1॥

श्री राम लला
प्राण प्रतिष्ठा

राम मंदिर 'प्राण प्रतिष्ठा' के लिए अयोध्या पहुंचे स्टार खिलाड़ी, कुंबले-वेंकटेश ने शेयर की तस्वीरें

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

राम मंदिर 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह में शामिल होने के लिए देशभर के स्टार खिलाड़ी अयोध्या पहुंचने लगे हैं। इस कड़ी में भारत के पूर्व कप्तान और महान स्पिनर अनिल कुंबले प्राण प्रतिष्ठा समारोह की पूर्व संध्या पर लखनऊ पहुंचे। कुंबले सोमवार को बहुप्रतीक्षित राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होंगे। कुंबले के अलावा पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद अयोध्या पहुंच गए हैं। उन्होंने समारोह की तस्वीरें साझा की है। अनिल कुंबले को रविवार दोपहर लखनऊ हवाई अड्डे पर देखा गया और पूर्व भारतीय क्रिकेटर के 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह की पूर्व संध्या पर अयोध्या पहुंचने की उम्मीद है। इस बीच अनिल कुंबले के पूर्व साथी और तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद राम मंदिर समारोह के लिए अयोध्या पहुंच गए हैं।

वेंकटेश ने लिखा, जय श्री राम

वेंकटेश प्रसाद ने सोशल मीडिया पर फोटो और वीडियो शेयर करते हुए लिखा, जय श्री राम। क्या क्षण है। सभी जीवन भर की घटना का गवाह बनने के लिए तैयार हैं। हमारे सबसे महत्वपूर्ण दिनों में से एक। पूरी अयोध्या और हमारे देश का अधिकांश हिस्सा खुशी से झूम रहा है। अयोध्यापति श्री रामचन्द्र जी की जय।

दिग्गज खिलाड़ियों को भी मिला है न्योता

बता दें कि राम मंदिर समारोह में एमएस धोनी, विराट कोहली, सचिन तेंदुलकर, कपिल देव, आर अश्विन और हरमनप्रीत कौर जैसे भारतीय क्रिकेटरों को आमंत्रित किया गया है। देखने वाली बात होगी कि ये सभी कब अयोध्या पहुंचते हैं।

ऐतिहासिक दिन पर करने जाऊंगा दर्शन : हरभजन

पूर्व भारतीय क्रिकेटर और आम आदमी पार्टी के सांसद हरभजन सिंह ने राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को ऐतिहासिक दिन बताया है। पूर्व भारतीय स्पिनर ने कहा है कि दूसरे लोग कुछ भी करें, वह मंदिर जरूर जाएंगे और दर्शन करेंगे। दुबई में एजेंसी से बात करते हुए हरभजन सिंह ने प्रधानमंत्री की तारीफ की। हरभजन सिंह ने कहा कि लोग क्या सोचते हैं, इससे फर्क नहीं पड़ता। मेरी आस्था है और मैं अयोध्या जरूर जाऊंगा। उन्होंने कहा कि पार्टी से ऊपर उठकर इसका स्वागत करना चाहिए। हरभजन सिंह ने कहा, मैं निश्चित रूप से मंदिर जाऊंगा। मैं धर्म और भगवान में दृढ़ विश्वास रखता हूं। मैं आशीर्वाद लेने के लिए हर मंदिर, मस्जिद और गुरुद्वारे जाता हूं। जब भी मौका मिलेगा मैं मंदिर जाऊंगा। इसमें कोई संदेह नहीं है। देश के लोगों को मेरी शुभकामनाएं। प्राण प्रतिष्ठा होने जा रही है। जितना संभव हो उतने लोगों को कार्यक्रम में शामिल होना चाहिए और आशीर्वाद लेना चाहिए।

रामभक्त अफ्रीका के खिलाड़ी महाराज ने दी शुभकामनाएं

दक्षिण अफ्रीका के हरफनमौला खिलाड़ी केशव महाराज ने सोमवार को होने वाली अयोध्या में राम मंदिर की 'प्राण प्रतिष्ठा' को लेकर भारतीय समुदाय को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। गौरतलब हो कि भगवान राम और हनुमान के भक्त केशव महाराज ने सोशल मीडिया पर लिखा, सभी को नमस्ते। मैं अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन के लिए साउथ अफ्रीका में अपने भारतीय समुदाय को शुभकामनाएं देना चाहता हूं। सभी के लिए शांति, सद्भाव और आध्यात्मिक ज्ञान हो। जय श्री राम।

खबर संक्षेप

सानिया ने की तलाक की पुष्टि

नई दिल्ली। सानिया मिर्जा के परिवार ने रविवार को भारतीय टेनिस स्टार और शोएब मलिक के अलग होने की पुष्टि की। मलिक ने एक दिन पहले अभिनेत्री सना जावेद से दूसरे निकाह की घोषणा की थी। सानिया के परिवार द्वारा जारी बयान के अनुसार, 'सानिया ने अपनी व्यक्तिगत जिंदगी को हमेशा लोगों की नजरों से दूर रखा है। लेकिन आज उनके लिए यह बताना जरूरी हो गया है कि कुछ महीने पहले ही उनका और शोएब का तलाक हो चुका है। वह शोएब को उनके नए सफर के लिए शुभकामनाएं देती हैं।'

भारत को स्पिनर दिलाएंगे जीत

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल एथरटन का मानना है कि भारत का शानदार स्पिन आक्रमण बेन स्टोक्स एंड कंपनी के खिलाफ पांच मैच की घरेलू श्रृंखला में उन्हें

जीत दिलायेगा। पहला टेस्ट गुरुवार से हैदराबाद में शुरू होगा। इंग्लैंड ने भारत में अभ्यास मैच खेलने के बजाय अबुधाबी में तैयारी करने का फैसला किया। इंग्लैंड की टीम में सिर्फ जैक लीच ही अनुभवी स्पिनर हैं जबकि टॉम हार्टले, शोएब बशीर और रेहान अहमद कम अनुभवी हैं। भारतीय टीम में आर अश्विन, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल और कुलदीप यादव जैसे स्पिनर शामिल हैं।

लॉरेंस इंग्लैंड टीम में शामिल, ब्रुक हटे

लंदन। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने रविवार को घोषणा की कि हैरी ब्रुक भारत के खिलाफ पांच मैच की टेस्ट श्रृंखला में नहीं खेलेंगे और उनकी जगह मध्यक्रम बल्लेबाज डैन लॉरेंस को शामिल किया गया है। ब्रुक निजी कारणों से तुरंत स्वदेश लौट जायेंगे।

आस्ट्रेलियन ओपन : मानारिनो को 6-0, 6-0, 6-3 हराया

58वीं बार अंतिम-8 में पहुंचे जोकोविच फेडरर के ग्रैंडस्लैम रिकॉर्ड की बराबरी

एजेंसी ⏭ मेलबर्न

सर्बियाई स्टार नोवाक जोकोविच ने रविवार को यहां एड्रियन मानारिनो पर 6-0, 6-0, 6-3 की जीत से आस्ट्रेलियाई ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया और रोजर फेडरर के सर्वकालिक ग्रैंडस्लैम रिकॉर्ड की बराबरी की। 10 बार के आस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन जोकोविच ने एक घंटे 44 मिनट में मिली जीत के दौरान 31 विनर जमाए और मेजर में 58वीं बार अंतिम आठ में प्रवेश कर फेडरर के रिकॉर्ड की बराबरी की। जोकोविच 14वीं दफा आस्ट्रेलियाई ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे और उनकी निगाहें 25वें ग्रैंडस्लैम एकल खिताब पर लगी हैं। अब उनका सामना 12वें नंबर के खिलाड़ी टेलर फ्रिट्ज से होगा। फ्रिट्ज पिछले साल यहां उप विजेता रहे स्टेफानोस सिटसिपास पर 7-6 (3), 5-7, 6-3, 6-3 की जीत से पहली बार आस्ट्रेलियाई ओपन के क्वार्टरफाइनल में पहुंचे।

जोकोविच 14वीं दफा आस्ट्रेलियाई ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

सबालेंका और गॉफ की शानदार जीत

महिलाओं के वर्ग में गत चैंपियन आर्यना सबालेंका और अमेरिकी ओपन विजेता कोको गॉफ ने शानदार जीत से क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। दूसरी रैंकिंग की खिलाड़ी सबालेंका ने पिछले साल यहां अपना पहला ग्रैंडस्लैम जीता था। उन्होंने अमांडा अनिसिमोवा को 6-3, 6-2 से हराया। उनका सामना 16 वर्षीय मीरा एंड्रीवा और नौवें नंबर की खिलाड़ी बारबोरा क्रेजसिकोवा के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा। सितंबर में अमेरिकी ओपन में पहला मेजर जीतने वाली गॉफ ने मागडालेना फ्रेच को 6-1, 6-2 से शिकस्त दी और अब उनकी भिड़ंत सामना यूक्रेन की मार्टा कोस्तयुक से होगी जिन्होंने मारिया टोमाफीवा को 6-2, 6-1 से हराकर पहली बार मेजर के अंतिम आठ में जगह बनाई।

टी20 मैच 42 रन से जीता पाक, न्यूजीलैंड के नाम 4-1 से सीरीज

एजेंसी ⏭ क्राइस्टचर्च

पाकिस्तान रविवार को यहां पांचवें और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में न्यूजीलैंड को 42 रन से हराकर श्रृंखला में क्लीन स्वीप होने से बच गया। पाकिस्तान ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट पर 134 रन बनाए।

यह श्रृंखला में मेहमान टीम का न्यूनतम स्कोर था, इससे पहले टीम ने पिछले चार टी20 में 180, 173, सात विकेट पर 179 और पांच विकेट पर 158 रन बनाए थे। लेकिन हेगले की खराब पिच पर यह स्कोर भी काफी साबित हुआ और न्यूजीलैंड की टीम महज 92 रन के स्कोर पर सिमट गई। पाकिस्तान के लिए इफ्तिखार अहमद नायक साबित हुए जिन्होंने 11 रन देकर तीन विकेट झटके जिससे न्यूजीलैंड के विकेट गिरने का सिलसिला शुरू हुआ। इफ्तिखार ने टिम सिफर्ट (19), मैट हेनरी (01) और ईश सोढी (01) को आउट किया जबकि विल यंग (12) का कैच लेकर आउट किया और मार्क चैपमैन (01) को रन आउट करने में भूमिका अदा की। इससे पाकिस्तानी टीम श्रृंखला में 0-5 से हारने से बच गयी और न्यूजीलैंड ने 4-1 से श्रृंखला जीती। पाकिस्तान की पारी में मोहम्मद रिजवान ने 38 और फखर जमां ने 33 रन बनाए।

पुजारा के 20 हजार रन, सौराष्ट्र ने दर्ज की पहली जीत

नागपुर। चिराग जानी के पांच विकेट की बदौलत गत चैम्पियन सौराष्ट्र ने रविवार को यहां रणजी ट्राफी एलीट ग्रुप ए मैच के तीसरे दिन विदर्भ को 238 रन से रौंदकर सत्र की पहली जीत दर्ज की। सौराष्ट्र के अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने 66 रन की पारी के दौरान यादगार उपलब्धि हासिल की। वह सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ के बाद 20,000 प्रथम श्रेणी रन जुटाने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज बने। विदर्भ की टीम 373 रन के असंभव लक्ष्य का पीछा करते हुए जरा भी चुनौती पेश नहीं कर सकी।

सात्विक-चिराग इंडिया ओपन में उपविजेता, कैंग-सियो को खिताब

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को कैंग मिन ह्युक और सियो सेयुंग जेइ की जोड़ी के खिलाफ रविवार को यहां पुरुष युगल फाइनल में इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में उप विजेता बनकर संतोष करना पड़ा।

सात्विक और चिराग की एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता जोड़ी को फाइनल में कैंग और सियो की दुनिया की तीसरे नंबर की जोड़ी के

खिलाफ एक घंटा और पांच मिनट में 21-15, 11-21, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा। वर्ष 2018 के चैंपियन युकी ने कड़े फाइनल में हांगकांग के दुनिया के 18वें नंबर के खिलाड़ी ली च्युक यीयू को 54 मिनट में 23-21, 21-17 से हराकर दूसरी बार इंडिया ओपन जीता।

ग्रैंडमास्टर गुकेश ने वार्मरडैम को हराया

विज्क आन जी। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए रविवार को यहां टाटा स्टील मास्टर्स

शतरंज टूर्नामेंट के सातवें दौर में नीदरलैंड के मैक्स वार्मरडैम को हराकर लगातार तीसरी जीत हासिल की, जिससे वह संयुक्त बढ़त पर पहुंच गए। इस जीत से गुकेश ने संभावित सात में से 4.5 अंक हासिल कर लिए हैं और अब वह उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तारोव और नीदरलैंड के अनीश गिरी के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं।

एमबापे के दो गोल, 4-1 से जीता पीएसजी

पेरिस। किलियान एमबापे ने दो गोल करने में मदद की और दो गोल दागे जिससे पेरिस सेंट जर्मेन () ने शनिवार को यहां ओरलियांस को 4-1 से हराकर फ्रेंच कप के राउंड 16 में प्रवेश किया। एमबापे ने 16वें और 62वें मिनट में दो गोल दागे जिससे इस सत्र के 26 मैच में उनके गोल की संख्या 28 हो गई। फिर एमबापे ने 71वें मिनट में क्रास से गोकालो रामोस को और 88वें मिनट स्थानापन्न मिडफील्डर सेनी मायुलु को गोल करने में मदद की। अनुभवी स्ट्राइकर विसाम बेन येडर की हैट्रिक की बदौलत मोनाको ने रोडेज पर 3-1 की जीत से पीएसजी के साथ अगले दौर में प्रवेश किया। लेकिन 2022 के विजेता नानटेस को लावाल से 0-1 से हार का सामना करना पड़ा।

COURT NOTICE
(U/o 5 Rule 20 CPC)
IN THE COURT OF
Ms. Indu Bala
Additional Civil Judge (Senior Division), Jhajjar
Bhom Singh
Vs.
Birajpal Singh
CNR No. HRJR02-001566-2022
Next Date : 08.05.2024
PUBLICATION ISSUED TO :-
Maya Devi
Daughter:- Maktul Singh S/o Mugli W/o Kishor Singh S/o Ram Kumar
R/o Village Luhari Tehsil and District Jhajjar at present Village Satalpur Tehsil Bansaur District Alwar Rajasthan.
In above titled case, the defendant(s)/ respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s) / respondent(s) should appear in person or through counsel on **08.05.2024 at 10:00 a.m.**
For details logon to **https://highcourtchd.gov.in/?trs=district_notice&district=Jhajjar**
Sd/- Indu Bala
Additional Civil Judge (Senior Division)
Jhajjar
Dated, this day of 18.01.2024

COURT NOTICE
(U/o 5 Rule 20 CPC)
IN THE COURT OF
Sh. Puneet Limbha
Civil Judge (Junior Division), Ganaur
Smt. Usha Dubey
Vs.
Dhananjay Dubey
CNR No. HRSOA0-000027-2024
Next Date : 12.03.2024
Suit for Declaration. A DECREE FOR DECLARATION MAY KINDLY BE PASSED IN FAVOUR OF THE PLAINTIFF AND AGAINST THE DEFENDANTS HIS WIFE AND SON TO THE EFFECT THAT THEY HAS GOT NO CONCERN WITH THE PLAINTIFF OF HER HSUBAND AND THE SELF ACQUIRED PROPERTIES OF THE PLAINTIFF AND SHE HAS SEVERED ALL HER RELATIONS WITH THE DEFENDANT AND ALSO THE PLAINTIFF MAY NOT BE HELD RESPONSIBLE FOR ANY OF THE ACT AND CONDUCT OF THE DEFENDANT NO 1 IN FUTURE
PUBLICATION ISSUED TO :-
General Public
:-
GANAUR
In above titled case, the defendant(s)/ respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s) / respondent(s) should appear in person or through counsel on **12.03.2024 at 10:00 a.m.**
Sd/- Civil Judge (Junior Division)
GANAUR

ज्योतिष

इंडिया के नं 1 तांत्रिक गुरु भवानी जी
खुला चैलेंज 2 घंटो में घर बैठे फोन पर गारंटिड लाभ

7 इल्मों के माहिर
आपके विश्वास का एक ही नाम
21 सालों से एक ही स्थान पर
स्पे. महावशीकरण, मुठकरनी
लवमैरिज, मनचाहा प्यार, वशीकरण ग्रहक्लेश, जादू-टोना, शादी कारोबार रुकावट, रुठे मनाना, किया-कराया पति-पत्नी अनबन, सौतन-दुश्मन छुटकारा, कोर्ट कचहरी आदि
9988289240

इंग्लैंड की 'बैजबॉल' का जवाब है 'विराटबॉल'

नई दिल्ली। महान खिलाड़ी सुनील गावस्कर ने कहा कि 25 जनवरी से हैदराबाद में शुरू होने वाली पांच मैच की टेस्ट श्रृंखला में इंग्लैंड की 'बैजबॉल' का सामना करने के लिए भारत के पास 'विराटबॉल' मौजूद है। इंग्लैंड के बल्लेबाज अब बहुत ही आक्रामक शैली में खेलते हैं।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

रणजी ट्रॉफी: मध्य प्रदेश ने 86 रन से दर्ज की जीत

लचर प्रदर्शन से दिल्ली की एक और शर्मनाक हार

एजेंसी ⏭ इंदौर

बल्लेबाजों के लचर प्रदर्शन के कारण दिल्ली को रविवार को यहां रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप डी में मध्य प्रदेश से 86 रन से हार का सामना करना पड़ा जो इस सत्र में उसकी दूसरी पराजय है। मध्य प्रदेश से पराजय दिल्ली को इसलिए भी ज्यादा आहत करेगी क्योंकि उसने मैच के पहले दिन मेजबान टीम को 171 रन पर आउट करके अपनी स्थिति मजबूत कर ली थी। इसके जवाब में दिल्ली ने 205 रन बनाकर पहली पारी में 34 रन की बढ़त हासिल की थी।

मध्य प्रदेश ने खेल के तीसरे दिन सुबह अपनी दूसरी पारी 5 विकेट पर 157 रन से आगे बढ़ाई और 251 रन बना कर दिल्ली के सामने 218 रन का लक्ष्य रखा। मध्य प्रदेश की तरफ से कप्तान शुभम शर्मा ने 73 रन बनाए। दिल्ली के बल्लेबाजों ने फिर से निराश किया और उसकी पूरी टीम 131 रन पर आउट हो गई। केवल वैभव कांडपाल (125 गेंद पर नाबाद 49) ही गेंदबाजों का डटकर सामना कर पाए। दिल्ली को अपने पहले मैच में पुडुचेरी से हार का सामना करना पड़ा था जबकि जम्मू कश्मीर के खिलाफ उसका मैच खराब मौसम से प्रभावित रहा था। इस ड्रॉ मैच में दोनों टीम ने अंक बांटे। पुडुचेरी से हार के बाद दिल्ली ने कप्तानी में बदलाव किया था तथा यश ढुल की जगह हिम्मत सिंह को कप्तान बनाया था।

55 रन से जीता देहरादून

पुडुचेरी ने देहरादून ने खेले गए मैच में उत्तराखंड को 55 रन से हराकर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। पुडुचेरी ने पहली पारी में 204 रन बनाकर उत्तराखंड को 123 रन पर आउट कर दिया था। उसने दूसरी पारी में 131 रन बनाकर उत्तराखंड के सामने 213 रन का लक्ष्य रखा था। गौरव यादव ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए 53 रन देकर सात विकेट हासिल किए और उत्तराखंड को दूसरी पारी में 157 रन पर आउट करने में अहम भूमिका निभाई।

रामो विग्रहवान् धर्मः

श्रीरामोत्सव

अवधपुरी अति रुचिर बनाई...

महर्षि वाल्मीकि अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा अयोध्या धाम

अयोध्या धाम जंक्शन

धर्म पथ

भक्ति पथ

श्रीराम जन्मभूमि पथ

राम पथ

महर्षि अरुंधति पार्किंग एवं व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स

लक्ष्मण कुंज स्मार्ट वाहन पार्किंग

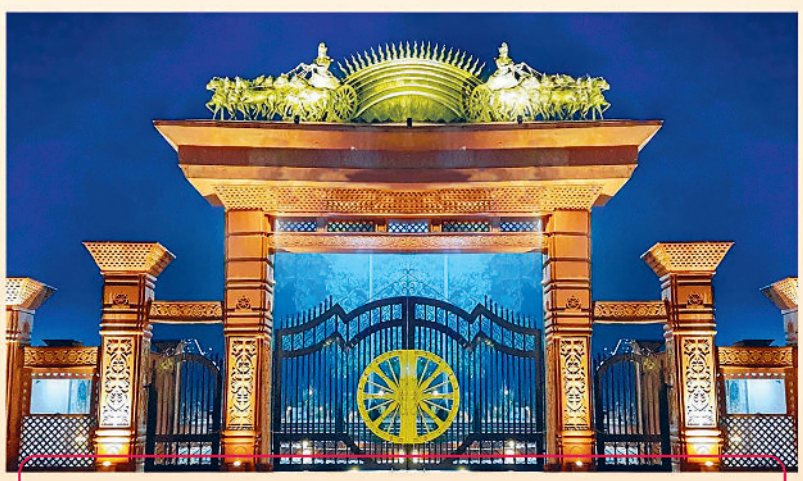

सूर्य कुंड द्वार

गुप्तार घाट

श्री रामलला विराजमान

"राम मंदिर के निर्माण की यह प्रक्रिया राष्ट्र को जोड़ने का उपक्रम है।"

-नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

सप्तपुरियों में प्रथम श्रीअयोध्या धाम में

प्रभु श्रीराम के बाल रूप विग्रह का

प्राण प्रतिष्ठा समारोह

गरिमामयी उपस्थिति

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

आनंदीबेन पटेल
राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

डॉ. मोहनराव भागवत
सरसंघचालक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

महंत नृत्यगोपाल दास
अध्यक्ष, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास

एवं अन्य गणमान्य महानुभाव

दिनांक : 22 जनवरी, 2024 | समय : अपराह्न 12:20 बजे | स्थान : श्रीराम जन्मभूमि मंदिर, श्रीअयोध्या धाम

लाइव प्रसारण DD NEWS व Youtube.com/DDNEWS Youtube.com/dduttarpradesh एवं UPGovtOfficial CMOUttarpradesh CMOfficeUP

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

चिंतन

वेड इन इंडिया से मजबूत होगा आर्थिक राष्ट्रवाद

सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के साथ ही पीएम नरेन्द्र मोदी आर्थिक राष्ट्रवाद की भावना को भी मजबूत करने के लिए आवाम को प्रेरित करते रहते हैं। पीएम ने वोकल फॉर लोकल के बाद अब 'वेड इन इंडिया' का आह्वान किया है। दरअसल समृद्ध भारतीय विदेश में जाकर वेडिंग सेरेमनी करते हैं। एक अनुमानित आंकड़े के मुताबिक भारतीय प्रति वर्ष करीब पांच हजार से अधिक शादियां विदेश में जाकर कर रहे हैं। इन पर करीब एक लाख करोड़ रुपये खर्च करते हैं। विदेश में होने वाली शादियां अगर भारत में ही शिफ्ट हो जाएं तो ये पैसे भारत में ही खर्च होंगे, जिससे देश का पैसा बाहर जाने से बच जाएगा और अंततः भारतीय अर्थव्यवस्था को फायदा होगा। विदेशियों में भारत आकर वेडिंग करने का ट्रेंड नहीं है, वे अपने मुल्क के प्रति सचेत होते हैं। दरअसल, भारतीयों में विदेशी वस्तुओं व जगहों को लेकर अजीब आकर्षण है, कुछेक समृद्ध लोगों में स्वदेशी वस्तुओं, जगहों और भाषाओं के प्रति उदासीन भाव हैं, वे विदेश में व विदेशी वस्तुओं पर खर्च कर अपने अहं को तुष्ट करते हैं। एक अनुमान के मुताबिक विदेशी सामान, विदेशी विक्रेताओं से खरीदने के चलते करीब 11 लाख करोड़ रुपये विदेशी कंपनियां भारत से मुनाफा के रूप में ले जाते हैं। भारतीयों में अगर स्थानीय, मेड इन इंडिया उत्पादों के प्रति भावना जाग जाए, तो विदेशी कंपनियों को जाने वाले मुनाफे देश में ही रह सकते हैं। भारतीय अपनी खरीदारी की आदत बदल कर हर वर्ष सात से आठ लाख करोड़ रुपये विदेश जाने से बचा सकते हैं। पीएम नरेंद्र मोदी इसलिए वोकल फॉर लोकल पर जोर देते हैं। हाल ही में पीएम ने लक्षद्वीप के समुद्र तट की तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा किया तो, मालदीव परेशान हो गया। पीएम ने रामेश्वरम स्थित रामसेतु के पास की तस्वीर भी सोशल मीडिया पर साझा की है। पीएम की कोशिश है कि लोग देश के अंदर ही खूबसूरत जगह पर घूमने जाएं। भारतीय हर वर्ष मालदीव, इंडोनेशिया, थाईलैंड, यूरोप, अमेरिका आदि देशों के टूरिस्ट डेस्टिनेशन्स पर घूमने पर करोड़ों रुपये खर्च करते हैं। अगर लोग देश के अंदर मौजूद टूरिस्ट जगहों पर भी जाएं, तो स्वदेशी पर्यटन को मजबूती मिलेगा। इन सबका फायदा अर्थव्यवस्था को होगा। भारत में हर वर्ष करीब 800 से 1000 फिल्में बनती हैं, जिनकी शूटिंग्स पर करोड़ों खर्च होते हैं। इनमें से बहुत सारे शूटिंग्स विदेशी लोकेशन्स पर होते हैं। अगर हमारे फिल्म निर्माता भारत के खूबसूरत लोकेशन्स पर फिल्मों की शूटिंग्स करें, तो भारतीय पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और देश में पैसे खर्च होने से घरेलू अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। बहुत से ऐसे छोटे-छोटे कदम हैं, जिनसे देश की तरक्की को पंख लग सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 26 नवम्बर को अपने मन की बात कार्यक्रम में भी विदेशों में की जाने वाली डेस्टिनेशन शादियों पर चिंता जताई थी और लोगों से भारत में ही शादी करने की अपील की थी। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स का मानना है कि देश में ही डेस्टिनेशन शादियां हों तो भारतीय अर्थव्यवस्था में एक संभावित बदलाव लाने की पहल हो सकती है। भारत में खूबसूरत जगहों की भरमार है, सौ से अधिक शहरों में करीब दो हजार से अधिक स्थान हैं, जहां डेस्टिनेशन वेडिंग आयोजित किए जा सकते हैं। कैट ने व्यापारियों और नागरिक समाज के बीच भारत के डेस्टिनेशन वेडिंग को प्रोत्साहित करने के लिए एक अभियान भी शुरू किया है। वेड इन इंडिया से आर्थिक राष्ट्रवाद मजबूत होगा।

प्राण प्रतिष्ठा विशेष

नरेंद्र सिंह तोमर

आस्था का उत्कर्ष है राम मंदिर

राम हमारी आस्था के सर्वोच्च शिखर हैं, आराध्य हैं। हमारी जीवनशैली, सामाजिकता, संस्कृति, शासन व्यवस्था में ही नहीं हर भारतीय की रग-रग में भगवान राम समाए हुए हैं। भारतीय संविधान की मूल प्रति में भगवान श्री राम का चित्र अंकित है। संविधान में जहां नागरिकों के मौलिक अधिकारों का जिक्र है, वहां श्री राम, माता सीता और लक्ष्मण के रावण वध के बाद लंका से अध्योध्या लौटने का चित्र है। यही चित्र हमारे संविधान में राम राज्य की भावना को उद्भूत करता है। राम राज्य की कल्पना के साकार होने के इस ऐतिहासिक क्षण के हम सभी साक्षी बन रहे हैं, यह हमारे लिए गौरव की बात है। साथ ही हम सभी के लिए एक ईश्वर प्रदत्त सौगात भी है।

त्रेतायुग से लेकर अब तक सतत रूप से उत्कृष्ट एवं आदर्श शासन प्रणाली के लिए भारत में 'राम राज्य' की संकल्पना सबसे उपयुक्त एवं व्यावहारिक रही है। वही राम राज्य जिसका स्वप्न स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए चल रहे संघर्ष काल में हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भी देखा था, किंतु अतीत में देखें तो पाते हैं कि स्वतंत्रता के पश्चात सात दशक तक दुर्भाग्य से राम राज्य की स्थापना को लेकर कोई भी प्रयास नहीं किया गया। लोक कल्याण और सुशासन जैसे शब्द सिर्फ शब्दकोष की शोभा बढ़ाते रहे, व्यवहार में उन्हें लाने में सरकारों ने कोई रुचि नहीं दिखाई। अब समय बदला है और सोच भी। विगत एक दशक भारत की पुनर्स्थापना के समय रहा है, वस्तुतः स्वतंत्रता के बाद यही वह समय है जब हम राम राज्य की अवधारणा को जमीन पर उतारने जा रहे हैं। अयोध्या में निर्मित प्रभु श्री राम का भव्य मंदिर राम राज्य की अवधारणा के मूर्त होने का क्षण है। यह हमारी आस्था का उत्कर्ष तो है ही इसके साथ-साथ हमारी शासन व्यवस्था में भी सर्वोच्च होने का प्रतीक है। प्रभु श्री राम की जन्मभूमि पर उनका भव्य मंदिर बने इसके लिए पांच सौ से अधिक वर्षों का लंबा संघर्ष काल बीता है। हजारों कार सेवकों, साधु-संतों, सनातनियों ने अपना बलिदान दिया है। यह हमारी पीढ़ी का सौभाग्य है कि हम भव्य राम मंदिर के स्वप्न को अपनी आंखों से साकार होते देख रहे हैं।

छह दिसंबर 1992 को बाबरी ढांचा गिराए जाने के पहले और बाद की भी लंबी संघर्ष की कहानी है। यद्यपि नवंबर 2019 में सुप्रीम कोर्ट के एतिहासिक निर्णय के बाद यह विवाद स्वतः समाप्त हो चुका है कि भगवान श्री राम का जन्म अयोध्या में उसी स्थान पर हुआ था जहां राम मंदिर था और बाद में उसे तोड़कर बाबरी ढांचा बना दिया गया, किंतु प्रासंगिकता को देखते हुए इसके एतिहासिक और पौराणिक साक्ष्यों पर एक दृष्टि नितांत आवश्यक है। सर्वोच्च न्यायालय ने राम मंदिर को लेकर दिए अपने 1045 पन्ने के ऐतिहासिक फ़ैसले में कई किताबों और दस्तावेजों का जिक्र किया है। सर्वोच्च न्यायालय के फैसले में वृहत धमोत्तर पुराण का जिक्र है, जिसके अनुसान अयोध्या सात पवित्र नगरियों में से एक है, इसके अनुसार-अयोध्या, मथुरा, माया, काशी, कांचि, अवन्तिका। पुरी, द्वारावती चैव सप्तैता मोक्षदायिकाः। इसी तरह वाल्मीकि रामायण से लेकर स्कंद पुराण तक में अयोध्या नगरी और श्री राम के वहां जन्म होने का वर्णन है। यहां तक कि अकबर के शासन काल के दौरान अबुल फजल द्वारा लिखी गई आईने अकबरी में भी अवध का वर्णन करते हुए लिखा गया है कि इस पवित्र नगरी में त्रेता युग में राजा रामचंद्र रहते थे।

अत्युत दुखद विषय यह है कि यहां राजनीतिक कु-इच्छओं और तुष्टिवाद के चलते राम जन्म भूमि पर भगवान राम के मंदिर की राह में कई वर्षों तक रोड़े अटकाए गए। 1853 में नवाब वाजिद अली शाह के शासन से रामलला की जन्मभूमि पर पूजा को रोकने का शुरू हुआ सिलसिला कई दशकों तक चला है। अंग्रेजों ने अपनी फूट डालो और राज करो नीति के तहत राम मंदिर

विवाद को सबसे ज्यादा गहराया और मंदिर के भीतर रामलला की पूजा नहीं होने दी। 1950 में राम जन्मभूमि को लेकर शुरू हुई कानूनी लड़ाई 70 के दशक तक चली है। राम जन्म भूमि आंदोलन में भारतभूमि के महान संतों, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, विश्व हिंदू परिषद और लाखों कार सेवकों का संघर्ष और तप आज स्मरणीय हैं। इस आंदोलन की धुरी बने संत परमहंस रामचंद्र दास, विश्व हिंदू परिषद के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे अशोक सिंघल एवं अन्य महापुरूषों का योगदान भी आज याद किया जाना चाहिए।

25 सितंबर 1990 को गुजरात के सोमनाथ से लालकृष्ण आडवाणी के नेतृत्व में शुरू हुई रथ यात्रा और राम जन्मभूमि आंदोलन राम लला के मंदिर निर्माण के युद्ध का एक शंखनाद था जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अब भव्य राम मंदिर में प्रभु श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के रूप में पूर्ण हो रहा है। राम मंदिर का निर्माण भाजपा की हमेशा से ही प्राथमिकताओं में शामिल रहा है और यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दृढ़ संकल्पशक्ति एवं नेतृत्व क्षमता का ही परिणाम है कि सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक निर्णय के बाद संपूर्ण देश एक मन-एक मत से प्रभु श्री राम मंदिर में विराजमान हो रहे हैं। मोदी ने अपने अटल संकल्प और प्रतिबद्धता का परिचय दिया है कि जो उन्होंने कहा था वह पूरा करके दिखाया है और इसके साथ ही देश के करोड़ों लोगों की आस्था का प्रतीक और चिरप्रतीक्षित राम मंदिर का निर्माण पूरा हुआ है।

राम हमारी आस्था के सर्वोच्च शिखर हैं, आराध्य हैं। हमारी जीवनशैली, सामाजिकता, संस्कृति, शासन व्यवस्था में ही नहीं हर भारतीय की रग-रग में भगवान राम समाए हुए हैं। भारतीय संविधान की मूल प्रति में भगवान श्री राम का चित्र अंकित है। संविधान में जहां नागरिकों के मौलिक अधिकारों का जिक्र है, वहां श्री राम, माता सीता और लक्ष्मण के रावण वध के बाद लंका से अध्योध्या लौटने का चित्र है। यही चित्र हमारे संविधान में राम राज्य की भावना को उद्भूत करता है।

अयोध्या तो इस समय वैश्विक पटल पर छाया ही हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकास भी विरासत भी' ध्येय वाक्य पर चलते हुए वाराणसी में 'काशी कॉरिडोर' उज्जैन में 'महाकाल पथ', पवित्र चारधाम केदारनाथ, बद्रीनाथ, यमुनोत्री, गंगोत्री को हर मौसम में निर्बाध सड़क कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए 900 किलोमीटर लंबी चारधाम सड़क परियोजना, सोमनाथ मंदिर पुनर्निमाण परियोजना, धार्मिक स्थलों के लिए बेहतर रेल एवं हवाई मार्ग की कनेक्टिविटी जैसे कई कार्यों ने एक नया परिदृश्य निर्मित किया है।

अयोध्या के राजा के रूप में प्रभु श्री राम ने जिस आदर्श शासन व्यवस्था की नींव रखी थी, सदियों से हम उसे 'राम राज्य' के रूप में आत्मसात कर अनुकरण कर रहे हैं। राम मंदिर का निर्माण पूरा करके और भगवान राम को वहां विराजमान करके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न केवल राम मंदिर के स्वप्न को साकार करने का भगीरथी कार्य किया है, अपितु समदर्शी, सर्वस्पर्शी, लोककल्याणकारी शासन शैली के माध्यम से राम राज्य की पुनर्स्थापना का भी कार्य किया है। यह संयोग ही है कि स्वतंत्रता के अमृतकाल में हमें नरेंद्र मोदी के रूप में एक ऐसा सशक्त, संकल्पवान और संवेदनशील नेतृत्व मिला है, जिन्होंने एक दशक में राष्ट्र पुनर्रुत्थान के कई नए आयाम स्थापित किए हैं जो उल्लेखनीय ही नहीं बल्कि अनुकरणीय भी हैं। राम राज्य की कल्पना के साकार होने के इस ऐतिहासिक क्षण के हम सभी साक्षी बन रहे हैं, यह हमारे लिए गौरव और सौभाग्य की बात तो है ही साथ ही यह हम सभी के लिए एक ईश्वर प्रदत्त सौगात भी है।

(लेखक म.प्र. विधानसभा अध्यक्ष हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

आस्था

सुरेश जैन

गुरुकुल और राष्ट्रीय शिक्षा नीति में श्रीराम

श्रीराम मर्यादा पुरुषोत्तम हैं। श्रीराम का जीवन समाज के लिए आदर्श है। उनकी शिक्षा गुरुकुल में होती है। बाबा तुलसी के शब्दों में गुरु गृह पढ़न गए रघुराई, अल्पकाल विद्या सब पाई। श्रीराम चक्रवर्ती सम्राट के बेटे हैं, किन्तु वे शिक्षा ग्रहण करने के लिए गुरु वशिष्ठ के गुरुकुल में जाते हैं। इस व्यवस्था का व्यक्तित्व निर्माण पर गहरा प्रभाव पड़ता है। वे दूसरे विद्यार्थियों की तरह ही रहते हैं। गुरुकुल में परा और अपरा दोनों तरह की शिक्षा ग्रहण की जाती है। परा विद्या में शिक्षा, कल्प, व्याकरण, निरुक्त, छंद, नक्षत्र, वास्तु, आयुर्वेद, वेद, कर्मकांड, ज्योतिष, सामुद्रिक शास्त्र, हस्तरेखा एवम धनुर्विद्या शामिल है। इससे उनकी समझ, अनुभव, विवेक, विचारशीलता और सही समय पर सही निर्णय लेने की क्षमता को विकसित करने की पृष्ठभूमि तैयार होती है। ऐसे ही पाठ्यक्रमों की परिकल्पना राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में की गई है। इसमें मुख्य विषय के अलावा आनुषांगिक विषयों को भी पढ़ाए जाने के लिए पाठ्यक्रम बनाए गए हैं। गुरुकुल में भी इसी तरह की व्यवस्था है, उनके मूल विषय के रूप में कूटनीति और धनुर्विद्या जैसे विषयों को पढ़ना अनिवार्य है, ताकि उनके व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास हो सके। गुरुकुल में इस बात का विशेष ध्यान रखा जाता है कि विद्यार्थी के लिए जितना महत्वपूर्ण उसका औपचारिक अध्ययन है, उतना ही महत्वपूर्ण आसपास का परिवेश है। उस परिवेश के माध्यम से छात्रों में आत्मनिर्भरता, अनुशासन, समय प्रबंधन, सामाजिक सामंजस्य की कला और नेतृत्व के गुण आते हैं। शिक्षा की पूर्णता में दोनों ही समान रूप से आवश्यक है। विष्णु पुराण में कहा गया है-तत्कर्म यन्न बन्धाय सा विद्या या विमुक्त, आयासाय परम कर्म विद्यान्या शिल्प नैपुणम अर्थात कर्म वही है, जो बंधन में न बांधे और विद्या वही है, जो मुक्त करे। गुरुकुल में राम को दी जाने

वाली विद्या मुक्ति देने के लिए दी जाने वाली शिक्षा है। मुक्ति का अर्थ सामाजिक जीवन की कुरीतियों से मुक्ति। अंधविश्वास से मुक्ति। ऊंच-नीच के मनोभाव से मुक्ति। अवैज्ञानिक सोच से मुक्ति। स्वार्थ और जड़ता से मुक्ति। हर तरह के अहंकार से मुक्ति। विद्या के बारे में कहा गया है-विद्या ददाति विनयं, विनयाद्याति पात्रताम। विद्या विनय देती है। उससे पात्रता विकसित होती है। व्यक्ति उतना ही सीख पाता है, जितनी उसकी पात्रता होती है। जिसकी पात्रता जितनी व्यापक होती है, उसका व्यक्तित्व भी उतना ही व्यापक होता है। सागर जैसा व्यापक होने के लिए उसके जैसी व्यापक विनम्रता और शांत चित्त की आवश्यकता होती है। श्रीराम गुरुकुल जाकर इसी विनम्रता को आत्मसात करते हैं, जो उनके व्यक्तित्व को सागर जैसा विस्तार देती है, जिसके लिए नर-वानर में कोई भेद नहीं। गुरुकुल में आत्मसात किए गए इन सभी सद्गुणों का असर श्रीराम के जीवन पर परिलक्षित होता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 में इस बात पर विशेष बल दिया गया है कि आरंभिक शिक्षा मातृभाषा में हो, शिक्षा में भारतीय मूल्यों और चरित्र निर्माण पर विशेष जोर हो। शिक्षा समावेशी हो। राम के गुरुकुल की शिक्षा प्रकृति के नैसर्गिक परिवेश में दी जाती है। बटुक कठिन परिस्थितियों में भी जीवन-यापन के गुर सीखता है। स्वतंत्र भारत में गठित विशेषज्ञ समितियों की एकमत राय रही है कि शिक्षा भारतीय जीवन मूल्यों पर आधारित हो। राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 में भी इस पर बल दिया गया है। राम के गुरुकुल में शिक्षा और संस्कार इस तरह से एकरूप हैं कि उन्हें अलग नहीं किया जा सकता। संस्कार, शिक्षा पर आधारित हैं और शिक्षा संस्कारों की आधारशिला है। इस माध्यम से विद्यार्थियों को संस्कारमय बनाकर उन्हें आदर्श मानव बनाना ही शिक्षा व्यवस्था का उद्देश्य है। राम द्वारा गुरुकुल में प्राप्त की गई शिक्षा उन्हें नेतृत्व की अद्भुत क्षमता देती है। अपने राज्य से दूर जहां पर उन्हें कोई जानने वाला नहीं है, वहां पर वे स्थानीय लोगों को एकजुट करते हैं और समुद्र पर सेतु निर्माण का जटिल कार्य संपन्न करते हैं। तत्पश्चात रावण जैसे शत्रु पर विजय प्राप्त करते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 में कौशल विकास के साथ ही व्यावहारिक शिक्षा पर भी उतना ही ध्यान दिया गया है, जितना कि सैद्धांतिक शिक्षा पर। राम गुरुकुल से सैद्धांतिक विषयों के साथ ही युद्धकला की भी शिक्षा ग्रहण करते हैं। अपनी इस विद्या के बल पर वे ताड़का, मारीच और खर-दूषण जैसे समाज विरोधियों को समाप्त कर शांति स्थापित करते हैं और रावण पर भी विजय प्राप्त करते हैं।

(लेखक प्रख्यात शिक्षाविद एवम तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी, मुरादाबाद-यूपी के कुलाधिपति हैं।)

भगवान के चरणों में अर्पित करना ही ज्ञान

संकलित

दर्शन

सर्व सामर्थ्य होते हुए भी अहंशून्य होकर स्वयं को भगवान के चरणों अर्पित कर देना ही ज्ञान, भक्ति और कर्म की परिपूर्णता है। भगवान के परम भक्त बालिपुत्र अंगद ने रावण की सभा में अपना एक पैर रोपकर अपने मुष्टिप्रहार से रावण के दसों मुकुटों को सिर से गिरा दिया था, वहीं चार मुकुटों को बीच में उछालकर भगवान के पास भेज दिया था। लंका से लौटकर आए अंगद से जब भगवान श्रीराम ने पूछा कि तुमने ये मुकुट कहां और कैसे प्राप्त किए, तब अंगद ने धर्म और ईश्वर से विमुख व्यक्ति की तात्विक व्याख्या की है। अंगद विनम्र भाव से कहते हैं, प्रभु! ये चार मुकुट नहीं, राजनीति के चार पद हैं, जिन पर चलकर व्यक्ति व्यवहार करते हुए भी परमार्थ को प्राप्त कर लेता है। रावण आपसे और धर्म से विमुख हो चुका है, इसलिए राजनीति के चारों चरणों (साम, दाम, दंड और भेद) का दुरुपयोग कर रहा था, इस कारण मुकुट के रूप में ये चारों उसको छोड़कर आपकी शरण में आ गए हैं। रावण ने शेष छह मुकुट जो सिर पर धारण कर रखे हैं, वे साधक के जीवन में रहने वाली षड्संपत्ति (शम, दम, उपरति, तितीक्षा, श्रद्धा और समाधान) हैं। चूंकि रावण उनका भी दुरुपयोग कर रहा था, इसलिए ये षड्संपत्ति न रहकर विकार बनकर रावण के सिर पर शासन कर रहे हैं, जो उसके विनाश के कारण बनेंगे।

सत्कर्मों में सदैव आस्था रखें

संकलित

प्रेरणा

एक नदी के तट पर एक शिव मंदिर था, एक पंडितजी और एक चोर प्रतिदिन अपनी-अपनी आस्था के अनुरूप मंदिर आया करते थे। जहां पंडितजी फल फूल, दूध चंदन आदि से प्रतिदिन शिवजी की पूजा करते। वहीं वह चोर रोज भगवान को खरी-खोटी सुनाता और अपने भाग्य को कोसता रहता। एक दिन पंडितजी और चोर एक साथ मंदिर से बाहर निकले। निकलते ही चोर को स्वर्णमुद्राओं से भरी एक थैली मिल गई। जबकि ठीक उसी समय पंडितजी के पैर में एक कील घुस गई। चोर स्वर्ण मुद्राओं से भरे थैले को पाकर अत्यंत प्रसन्न था। जबकि पंडितजी पीड़ा से परेशन थे, लेकिन पंडितजी को कील की पीड़ा से अधिक इस बात का कष्ट था कि मेरे पूजा पाठ करने के बाद भी बदले में भगवान ने मुझे कष्ट दिया। जबकि इस चोर के कुकर्मों के बदले में उसे स्वर्णमुद्राओं के रूप में पुरस्कार मिला। तब मंदिर से आवाज आई- हे पंडित! आज तुम्हारे साथ एक बड़ी दुर्घटना होने वाली थी। लेकिन तुम्हारे सत्कर्मों के कारण तुम केवल कील लगने की पीड़ा पाकर ही मुक्त हो गए। जबकि इस चोर के भाग्य में आज अपार धन संपत्ति प्राप्ति का योग था। लेकिन अपने कुकर्मों के कारण उसे केवल कुछ मुद्राएँ ही मिली हैं। अच्छे कर्म से ही मनुष्य का भविष्य एवं भाग्य बनता बिगड़ता है। इसलिए सदैव सत्कर्मों में आस्था बनाए रखना चाहिए।

अंतर्मन

आज की पाती

अयोध्या जरूर जाएंगे

भगवान श्री राम का नाम लेते ही मानसिक शांति मिलती है। वह सनातन धर्म या भारत के लिए ही आदर्श नहीं हैं, बल्कि सारी दुनिया के लिए हैं। उनकी जन्मभूमि अयोध्या में लगभग 500 वर्ष बाद उनका जो भव्य मंदिर बन रहा है और वहां 22 जनवरी को राम लल्ला की प्राण प्रतिष्ठा होने जा रही है, उसकी खुशी जाहिर करने के लिए जो तैयारियां चल रही हैं उन्हें देखकर लग रहा है कि दीपावली का त्योहार आने वाला है। हमारे देश में ही नहीं, बल्कि दुनिया के दूसरे देशों में रह रहे राम भक्त भी खुशी जाहिर कर रहे हैं। 22 जनवरी को जब अयोध्या में राम लल्ला की प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन होना है, तब हमें अयोध्या जाने की बजाय अपने-अपने घर पर ही इसकी खुशी मनानी चाहिए। वहां पर भीड़ एकत्र करके अव्यवस्था पैदा नहीं होनी चाहिए।

- सतीश उपाध्याय, बिलासपुर

ट्रेंड

सस्ती दवाइयों से पैसे बचे

आयुष्मान भारत योजना की वजह से 6 करोड़ से अधिक लोग अस्पताल में मुफ्त इलाज करवा चुके हैं। 10 हजार जन औषधि केंद्र भी खोले हैं, जहां 80% डिस्काउंट पर दवाइयां मिल रही हैं। सस्ती दवाइयों से गरीब के 30,000 करोड़ रुपये बचे हैं

-मनसुख मांडविया, केंद्रीय मंत्री

तत्काल युद्धविराम का आह्वान

गाजा में लोग न केवल बम और गोलियों से, बल्कि भोजन, साफ पानी की कमी और बिजली और दवा के बिना भी मर रहे हैं। ये रुकना चाहिए। मैं तत्काल युद्धविराम और सभी बंधकों की तत्काल बिना शर्त रिहाई के आह्वान से पीछे नहीं हटूंगा।

-एंटोनियो गुतरेस, यूएन महासचिव

भाग्य आपके नियंत्रण में है

परमानंद नियंत्रण से बाहर जाने जैसा है लेकिन सचेत रूप से। जब आप जानते हैं कि सचेत रूप से नियंत्रण से बाहर कैसे जाना है, तो आप हर चीज पर पूरी तरह नियंत्रण में हैं। आपके जीवन का भाग्य आपके नियंत्रण में है।

-सदगुरु, आध्यात्मिक गुरु

भ्रष्ट मुख्यमंत्री के चर्चे

भारत के सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री के चर्चे असम में हर ज़बान पर है, पर भ्रष्टाचार के इस पेड़ की जड़ दिल्ली में है। ये मोदी का 'कठपुतली मॉडल' है, जहां मुख्यमंत्रियों का काम राज्य के संसाधनों को निचोड़ कर चढ़ावा दिल्ली दरबार में अर्पित करना है।

-राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद

करंट अफेयर

इजराइल-हमास युद्ध में 25 हजार फलस्तीनियों की मौत

इजराइल और हमास के बीच तीन महीने से अधिक समय से जारी युद्ध में 25,000 से अधिक फलस्तीनियों की मौत हुई है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी। स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता अशरफ अल-किद्रा के अनुसार, पिछले 24 घंटे में गाजा के अस्पतालों में कम से कम 178 शव और लगभग 300 घायल लाए गए। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, इजराइल-हमास युद्ध में महिलाएं और बच्चे सबसे अधिक पीड़ित हैं। सात अक्टूबर को हमास ने इजराइल पर अचानक हमला कर करीब 1200 लोगों को मार डाला था, इनमें से अधिकतर आम नागरिक थे। हमलावरों ने पुरुषों, महिलाओं और बच्चों सहित लगभग 250 को बंधक बना लिया। इजराइल ने हवाई अभियान के साथ जवाबी हमले शुरू किए और फिर उत्तरी गाजा में जमीनी आक्रमण किया, जिससे पूरा इलाका लगभग तबाह हो गया। इजराइली बलों की जमीनी कार्रवाई अब दक्षिणी शहर खान यूनिस और मध्य गाजा में निर्मित शरणार्थी शिविरों पर केंद्रित है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि सात अक्टूबर से अब तक क्षेत्र में कुल 25,105 फलस्तीनी मारे गए हैं जबकि 62,681 अन्य घायल हुए हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को कहा कि इस्राइल और हमास शासकों के बीच तीन महीने से अदिक समय से युद्ध हो रहा है।

ऑफ बीट

बच्चे को जेब खर्च कब और कितना दें

बच्चों को जेब खर्च (पॉकेट मनी) देना परिवारों के लिए वास्तव में एक चुनौतीपूर्ण निर्णय हो सकता है। यह सवाल उठाता है कि बच्चों को जेब खर्च देना कब शुरू करना चाहिए और कितना देना चाहिए। एक अहम सवाल यह भी है कि क्या बच्चों को घरेलू कामकाज करने के ऐवज में जेब खर्च देना चाहिए। एक वित्त शोधकर्ता और अभिभावक के रूप में, जेब खर्च को एक शैक्षिक अवसर के रूप में देखना भी महत्वपूर्ण है। आप इसका उपयोग बच्चों को सोच-समझकर वित्तीय निर्णय लेने, सार्थक लक्ष्य निर्धारित करने और खर्च के दौरान जिम्मेदारी भरा रवैया अपनाने की आदतें विकसित करने के लिए कर सकते हैं। यहां बताया गया है कि आप इस संबंध में कैसे उचित निर्णय ले सकते हैं। आपको कब शुरू करना चाहिए? जेब खर्च के लिए कोई ''सही उम्र'' नहीं है, लेकिन जब बच्चे स्कूल जाना शुरू करते हैं और जोड़ना व घटाना सीखना शुरू करते हैं, तो आप उन्हें जेब खर्च के रूप में थोड़े पैसे देने पर विचार कर सकते हैं। इसका मतलब है कि आपका बच्चा इतना बड़ा हो जाएगा कि वह बचत और खर्च जैसी अवधारणाओं को समझना शुरू कर देगा। जैसे-जैसे आपका बच्चा बड़ा होता है, आप बुनियादी अंकगणित से आगे बढ़ सकते हैं और पता लगा सकते हैं कि आपका बच्चा गणित में क्या सीख रहा है।

हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय
नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड,
रोहतक-124001 फोनः 9253681019-20
ई-मेल : haribhoomi@gmail.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

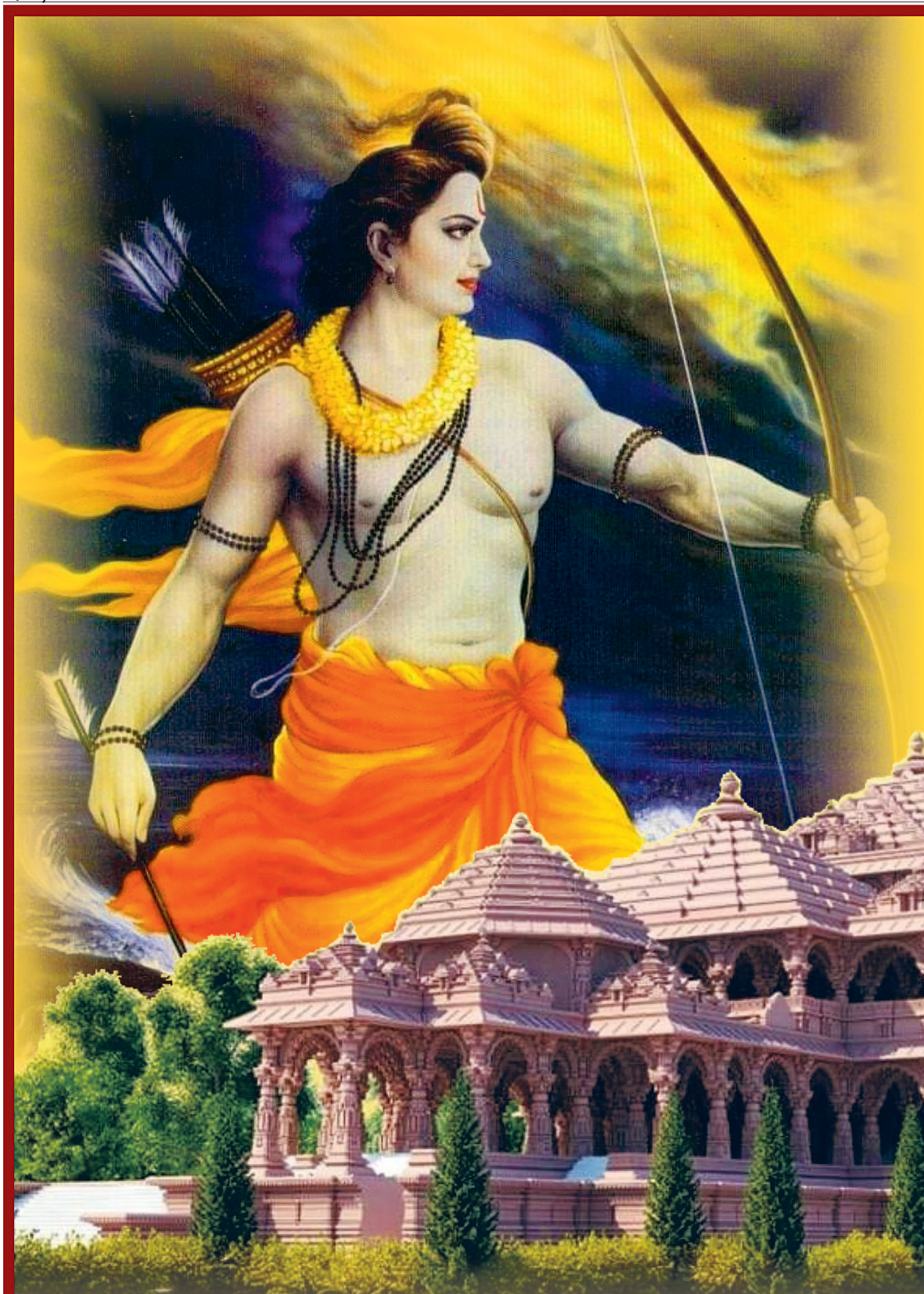

हरियाणा सरकार

अयोध्या धाम में

प्रभु श्री रामलला के नवीन विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा

के शुभ अवसर पर देशवासियों को बधाई

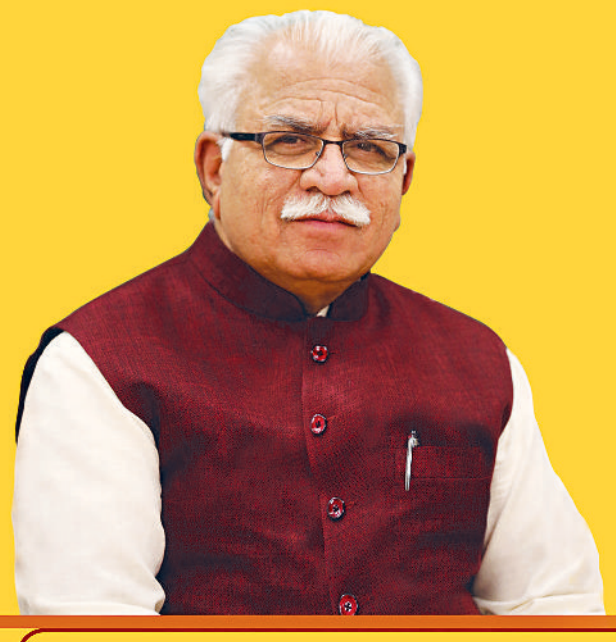

“प्रदेश के नागरिकों की आस्था को ध्यान में रखते हुए देश भर के प्रसिद्ध तीर्थ स्थलों के दर्शन हेतु योजना चलाई गई है, जिसके तहत अब वे अन्य तीर्थ स्थलों की भांति अयोध्या में नवनिर्मित श्री राम मंदिर तीर्थ स्थल का भी भ्रमण कर सकते हैं।”

- मनोहर लाल

“राम मंदिर के निर्माण की यह प्रक्रिया राष्ट्र को जोड़ने का उपक्रम है। यह महोत्सव है - विश्वास को विद्यमान से जोड़ने का, लोक को आस्था से जोड़ने का, वर्तमान को अतीत से जोड़ने का और स्व को संस्कार से जोड़ने का।”

- नरेन्द्र मोदी

सूचना, लोक सम्पर्क, भाषा तथा संस्कृति विभाग, हरियाणा | www.prharyana.gov.in | Follow us on @diprharyana

प्रसन्नतां या न गताभिषेकतस्तथा न मम्ले वनवासदुःखतः।
मुखाम्बुजश्री रघुनन्दनस्य मे सदास्तु सा मंजुलमंगलप्रदा॥2॥

रघुकुल को आनंद देने वाले श्री रामचन्द्रजी के मुखारविंद की जो शोभा राज्याभिषेक से (राज्याभिषेक की बात सुनकर) न तो प्रसन्नता को प्राप्त हुई और न वनवास के दुःख से मलिन ही हुई, वह (मुखकमल की छवि) मेरे लिए सदा सुंदर मंगलों की देने वाली हो॥2॥

श्री राम लला
प्राण प्रतिष्ठा

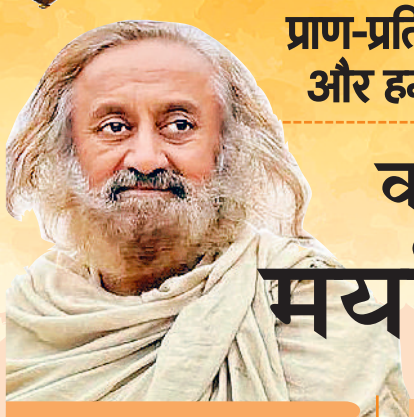

प्राण-प्रतिष्ठा कई पीढ़ियों के आत्मविश्वास, आत्मसम्मान और हमारी सभ्यता के साथ गहरे जुड़ाव का है 'प्रतीक'

काल और देश से परे क्यों हैं मर्यादा पुरुषोत्तम राम

राम का अर्थ है, 'मेरे हृदय का प्रकाश'। जो आपके भीतर प्रकाशमान है, वे राम हैं। जो सृष्टि के कण-कण में दीप्तिमान है, वे राम हैं।

श्री श्री रविशंकर
अध्यात्मिक गुरु

इस देश में, राम हर किसी के जीवन का एक अंश हैं। रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा, सद्भाव के उत्सव का प्रतीक है। इस उत्सव के आनंद और आपसी सौहार्द्र की भावना, धार्मिक सीमाओं से परे है और सभी को एकजुट करती है। प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान, एक गहन समारोह होता है, जो दिव्य मूर्ति में प्राण के संचार का प्रतीक है। साधारण जनमानस ईश्वर को मूर्तियों, पत्थरों और पेड़-पौधों में भी देखता है और प्राण प्रतिष्ठा, सूक्ष्म विज्ञान और उत्सव की एक श्रृंखला का प्रतिनिधित्व करती है जो भौतिकता और आध्यात्मिकता के मध्य एक मधुर संबंध को दर्शाता है। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा एक ऐतिहासिक क्षण है, जहां लाखों लोगों का सपना साकार हो रहा है। यह केवल एक मंदिर निर्माण के विषय में नहीं है बल्कि उससे कहीं अधिक है; यह कई पीढ़ियों के आत्मविश्वास, आत्मसम्मान और हमारी सभ्यता के साथ गहरे जुड़ाव का प्रतीक है।

उस समय ब्रज की गलियों में गूंज रहा था 'बच्चा-बच्चा राम का जन्मभूमि के काम का'

कारसेवा के लिए हजारों की संख्या में संतों के साथ बृजवासियों ने भी किया था अयोध्या कूच

चतुः विरक्त वैष्णव परिषद के श्रीमहंत फूलडोल बिहारी दास बताते है कि राम मंदिर आंदोलन के लिए सन 89 से ही लगातार सक्रिय रहकर हर आंदोलन में अपनी सहभागिता दी है। राम मंदिर आंदोलन के लिए ब्रज क्षेत्र में 1992 के आंदोलन को ब्रज में धार देने के लिए विश्व हिंदू परिषद की ओर से संतों को एकजुट करने की जिम्मेदारी मेरी ही कंधों पर थी।

राम मंदिर आंदोलन के लिए 40 दिन की जेल यात्रा भी संघर्ष का एक वह सुनहरा अध्याय था, जिसने राम मंदिर के लिए हमारे संकल्प को और मजबूत करने का कार्य किया। 'बच्चा-बच्चा राम का जन्मभूमि के काम का' के नारे के साथ ब्रज क्षेत्र में आम जनमानस को राम मंदिर आंदोलन से जोड़ने के लिए संतों की टोली बनाकर उस समय वृंदावन, गोवर्धन, नंदगांव, बरसाना, महावन, गोकुल, दाऊजी आदि क्षेत्रों में कार्य को गति प्रदान की थी। सपा सरकार के दौरान छिप-छिपाकर रात में वह राम मंदिर आंदोलन को गति देने का कार्य करते थे। मोतीझील स्थित स्वामी अखंडानंद आश्रम में राम मंदिर आंदोलन के पुरोधा रहे स्वामी वामदेव महाराज के सानिध्य में स्वामी महेशानंद सरस्वती के द्वारा भी राम मंदिर आंदोलन के लिए के लिए उस समय अलख जगाने का कार्य किया गया था। स्वामी महेशानंद सरस्वती बताते हैं कि सपा नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार द्वारा उस समय संतों को पुलिस द्वारा नजरबंद कर दिया जाता था। राम मंदिर के लिए हिंदुओं को एकजुट करने के लिए घर-घर जाकर लोगों को जागृत करने का कार्य किया जाता था। अयोध्या में कारसेवा के आह्वान पर वह भी अयोध्या में कारसेवा के लिए निकले थे। इसी दौरान पुलिस ने उन्हें रास्ते में ही गिरफ्तार कर लिया था, लेकिन उन्हें जेल न भेजकर एक स्कूल में नजरबंद करके रखा गया। नाभापीठाधीश्वर महंत सुतीक्ष्ण दास महाराज बताते हैं कि उनके गुरु महंत भगवान दास महाराज के सानिध्य में राम मंदिर आंदोलन के दौरान उन्होंने सक्रिय भूमिका निभाई थी।

अयोध्या यानी जहां कोई युद्ध नहीं हो सकता

राम का अर्थ है, 'मेरे हृदय का प्रकाश'। जो आपके भीतर प्रकाशमान है, वे राम हैं। जो सृष्टि के कण-कण में दीप्तिमान है, वे राम हैं। भगवान राम का जन्म दशरथ और कौशल्या से हुआ था। संस्कृत में दशरथ का अर्थ है, 'दस रथों वाला'। यह पांच ज्ञानेंद्रियों और पांच कर्मेंद्रियों का प्रतीक है। संस्कृत में कौशल्या का अर्थ है, 'कुशल'। दस रथों का कुशल सारथी ही राम को जन्म दे सकता है। जब पांचों ज्ञानेंद्रियों और पांचों कर्मेंद्रियों का कुशलतापूर्वक उपयोग किया जाता है तो भीतर प्रकाश का उदय होता है। राम का जन्म अयोध्या में हुआ था, जिसका अर्थ है 'वह स्थान जहां कोई युद्ध नहीं हो सकता'। जब मन में कोई द्वंद्व नहीं होता तो प्रकाश का उदय होता है। मन की पकड़ से मुक्त होने की दिशा में पहला कदम यह पहचानना है, ओह, मैं यह नहीं हूं। दूसरा चरण है, यह अनुभव करना कि मन आपको पकड़ रहा है। तीसरा चरण है, इसके साक्षी हो जाएं। इससे बचने की कोशिश करने या इसमें सम्मिलित होने के बजाए, परिस्थितियों को स्वीकार करने से आपको साक्षी बनने में सहायता मिलती है। इस स्तर पर, आप देख सकते हैं कि चीजें हो रही हैं-आपका मन कल्पनाओं और विचारों से भरा हुआ है और वे मन में आते-जाते रहते हैं।

राम मर्यादा पुरुषोत्तम क्यों ?

श्री राम ने सम्पूर्ण मानवता के लिए सत्यवादिता, अनुशासन और प्रतिबद्धता का आदर्श उदाहरण स्थापित किया। उन्होंने स्वयं एक बहुत ही अनुशासित जीवन जिया। वे एक आदर्श पुत्र, एक आदर्श शिष्य और एक आदर्श राजा थे। उन्होंने जीवन की सभी भूमिकाओं का निर्वहन बहुत अच्छे से किया इसीलिए उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम कहा जाता है। आज भी यदि कोई ऐसा कार्य है जिसमें विफलता की कोई संभावना नहीं है, तो उसे रामबाण कहा जाता है। क्या आप जानते हैं, यदि कोई ऐसी दवा है जो बिना किसी असफलता के काम करती है, तो उसे बोलचाल की भाषा में रामबाण कहते है। इसलिए, चिकित्सा शब्दावली में बोलचाल की भाषा में इस शब्द का उपयोग बहुत किया जाता है। अन्य संदर्भों में भी, यदि कोई रणनीति 100% प्रभावी है तो उसे रामबाण के रूप में संदर्भित किया जाता है। रामबाण बिना किसी विफलता के लक्ष्य को भेदता है।

क्या है रामराज्य ?

जीवन के उच्च सत्य को प्राप्त करने की दिशा

एक सुव्यवस्थित राज्य को रामराज्य कहा जाता है। रामराज्य का सपना हजारों वर्षों से हमारे साथ रहा है। रामराज्य क्या है? यह एक ऐसा राज्य है जहाँ सभी को न्याय मिलता है, हर कोई समृद्ध है और हर कोई संतुष्ट है। जब समाज में स्वास्थ्य, आनंद, समृद्धि और न्याय प्रचलित होता है, और लोग भौतिक संपत्ति या शत्रुता में उलझने के बजाए जीवन के उच्च सत्य को प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ रहे होते हैं, तो वह रामराज्य होता है। इस तरह का समाज हमेशा से इस देश के लोगों का सपना रहा है। यही कारण है कि रामराज्य के समाज के वर्णन ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान लोगों को और भी अधिक प्रेरित किया है। भारत को रामराज्य बनाना, महात्मा गांधी का बहुत बड़ा सपना था। उन्होंने श्री राम का नाम लिया और भारत की स्वतंत्रता के लिए राम के नाम से पूरे भारत को एकजुट की।

अपलक देखिए तो भगवान के श्रीमुख से आनंद 'टपकता' महसूस होता है...

दिव्य, भव्य, अलौकिक होगा रामलला का मंदिर

मैं तो उन्हीं से प्रतिदिन याचना करता था कि हे प्रभु, आप तो दुनिया का कल्याण करते हैं, फिर इस टेंट से आप कब अपने मंदिर में पहुंचेंगे?

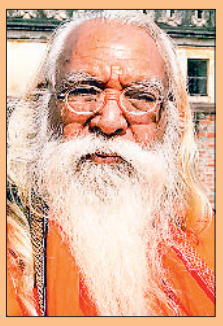

आचार्य सत्येंद्र दास
मुख्य पुजारी
श्रीराम जन्मभूमि मंदिर अयोध्या

अयोध्या और मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम अन्योन्याश्रित हैं। इन्हें अलग नहीं देखा जाना चाहिए। मैंने वह दौर भी देखा है, जब रामलला के पास तक पहुंचने में श्रद्धालुओं को बड़े कष्ट झेलने पड़ते थे। एक अस्थायी मंदिर में रामलला विराजमान हुआ करते थे। श्रद्धालु चाह कर भी उन तक नहीं पहुंच पाते थे। मंदिर ही नहीं अयोध्या बंदिशों में जकड़ी रहती थी। कारण चाहे कुछ भी रहे हों लेकिन श्रद्धालुओं के साथ ही हम सभी को भी इसकी असह्य पीड़ा हुआ करती थी। यह सोच कर मन कभी-कभी उदास हो जाता था कि हम लोग तो विविध भौतिक संसाधनों के साथ निवास करते हैं, लेकिन हमारे आराध्य टेंट में रहते हैं, बाध्यताएं कुछ इस तरह की थी कि चाह कर भी कुछ नहीं हो पा रहा था। मैं तो उन्हीं से प्रतिदिन याचना करता था कि हे प्रभु, आप तो दुनिया का कल्याण करते हैं, फिर इस टेंट से आप कब अपने मंदिर में पहुंचेंगे। हर बार मन कहता था कि इंतजार कीजिए, जल्द ही यह सपना भी पूरा होगा।

पूरा विश्व भगवान रामलला की कृपा से आच्छादित होगा

रामलला को रहने के लिए भव्य मंदिर की कल्पना आज से नहीं शताब्दियों से की जा रही थी, लेकिन लंबे संघर्ष के बाद भगवान की कृपा हुई। नौ नवंबर 2019 के ऐतिहासिक फैसले के बाद मन को बड़ा सुकून मिला। लगा कि अब हमारे आराध्य को उचित स्थान प्राप्त होगा, हो भी ऐसा ही रहा है। आज भगवान का घर अलौकिक दिखने लगा है। इसका वैभव 22 जनवरी को दमकने लगेगा। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट मंदिर को अलौकिक बनाने के प्रयास में है। पूरी अयोध्या ही नहीं पूरा विश्व भगवान रामलला की कृपा से आच्छादित होगा। श्रीराम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी है। यह सब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयास का प्रतिफल है। मोदी और योगी जैसा योग्य नेतृत्व कोई नहीं है। मैं तो उम्मीद करता हूं कि आने वाले समय में रामलला के मंदिर के साथ ही अयोध्या एक बार फिर विश्व की पहली नगरी हो जाएगी।

श्रीराम मंदिर, रामलला के विराजमान होने के साथ यह दिव्य, भव्य और अलौकिक दिखेगा। अपलक देखिए तो भगवान के श्रीमुख से आनंद टपकता महसूस होता है। अब श्रद्धालुओं पर आनंद के बारिश के क्षण आने वाले हैं। तीन दशक से भगवान रामलला की सेवा में हूं। भगवान की कृपा को मैं साक्षात अनुभव करता हूं।

प्रभु श्री राम का अयोध्या और अवंतिका से बहुत गहरा संबंध और यह वनवास मार्ग का सबसे प्रमुख स्थान है

अवंतिका, श्रीराम के मर्यादा पुरुषोत्तम राम बनने का और रामराज्य की स्थापना का महत्वपूर्ण सेतु

त्रेता युग में 14 वर्ष वनवास के बाद भगवान श्री राम अयोध्या लौटे थे तब कितना उल्हास और उमंग रही होगा, आज फिर वही उल्लास है, उमंग है, भक्ति है, भावना है

-पंडित महेश पुजारी
महाकालेश्वर मंदिर
उज्जैन

पांच दशक के बाद आज भारत भूमि राममय हो रही है और अयोध्या के साथ देश का सनातनी बच्चा बच्चा प्रभु श्री राम के आगमन प्रमाण प्रतिष्ठा से आनंदित प्रसन्न हो रहा है। प्रभु राम जन जन के मानस में विद्यमान हैं।

जब आक्रांताओं ने कहर बरपाया तब भी अयोध्या वही थी और सरयू वही थी लेकिन आज अयोध्या और सरयू भाव विभोर है, जब भगवान तंबू में थे तब व्याकुलता थी लेकिन आज सभी राम भक्तों में दर्शनों की आतुरता है फिर चाहे मंदिर में पूजन करता पुजारी हो या कतार में लगा भक्त, सड़कों पर चलते लोग हों या ट्रेन, बसों में सफर करते यात्री, नदी में नहाते श्रद्धालु हो सभी में आतुरता देखी जा रही है। अवधेश प्रभु श्री रामचंद्र की प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी के बीच भारत भूमि पूर्व से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक राष्ट्रीय एकात्मकता और समरसता के प्रवाह से युक्त है। आदि कवि वाल्मीकि कृत रामायण और महाकवि तुलसीदास द्वारा रचित रामचरितमानस यह प्रभु राम के शौर्य और आदर्श के साथ विरह के ग्रंथ भी लगते हैं क्योंकि क्रंच वध से विरह की पीड़ा झेलती क्रोंची को देखकर आदि कवि वाल्मीकि श्री नारद जी से रामायण रचने की प्रेरणा का सूत्र पाते हैं, तुलसीदास जी भी अपनी पत्नी के विरह से पीड़ित रहे और जब पत्नी से ही धिक्कार मिला तो रामचरितमानस रच देते हैं।

अयोध्या पहली तो सातवीं मोक्षदायी नगरी अवंतिका

-हमारे धर्म शास्त्रों में सप्त नगरियों का उल्लेख है जो मोक्षदायी मानी गई है जिसमें पहला नाम अयोध्या है और सातवां अवंतिका (उज्जैन)। प्रभु श्री राम का अयोध्या और अवंतिका से बहुत गहरा संबंध है जिसका धर्म शास्त्रों में उल्लेख स्पष्ट है अपने वनवास के समय यात्रा मार्ग में जब उज्जैन आया तो उन्होंने शिप्रा के तट पर पिशाच मोचन तीर्थ पर अपने पिता और पूर्वजों के मोक्ष प्राप्ति के लिए श्राद्ध तर्पण किया इस कारण वह घाट ,रामघाट कहलाया वहीं से राम सीढ़ी होते हुए अपने आराध्य कालाधिपति भगवान शिव महाकाल के दर्शन कर आगे बढ़े। भगवान और भक्त एक दूसरे के बिना अधूरे होते हैं उसी प्रकार यदि प्रभु श्री राम का नाम हो और भक्त शिरोमणी हनुमान जी का नाम ना हो, ऐसा हो ही नहीं सकता क्योंकि हनुमान जी की जैसी भक्ति की पराकाष्ठा किसी में नहीं है शायद इसलिए श्री राम भी कहते हैं कि हनुमान 'तुम मम प्रिय भारतही सम भाई'।

आदि अंत कोऊ जासु न पावा

अहिरावण और महीरावण प्रभु श्री राम और लक्ष्मण को पाताल लोक ले गया था तब हनुमान जी ने पाताल लोक जाकर उनका वध कर प्रभु राम और लक्ष्मण को सुरक्षित किया और जब उन्हें पृथ्वी पर लाने के लिए चले तो मार्ग में संशय होने पर अपनी बुद्धि का प्रयोग करते हुए हनुमान जी ने पृथ्वी के नाभि स्थल बाहर आए और पृथ्वी का नाभि स्थल उज्जैन है, अपने आराध्य को सुरक्षित लेकर आने पर हनुमान जी ने नृत्य मुद्रा से अपनी प्रसन्नता प्रकट की। वह स्थान आज भी उज्जैन के अंकपात क्षेत्र में विष्णु सागर पर नृत्याकार हनुमान के नाम से प्रसिद्ध है। उज्जैन में ऐसे कई स्थान हैं जिनका प्रभु श्री राम से संबंध है। इससे सिद्ध होता है कि हिंदू सनातन धर्म की पहली मोक्षदायी पुरी अयोध्या और सप्तम मोक्षदायी पूरी अवंतिका का अटूट संबंध है। यह प्रभु राम के वनवास मार्ग का सबसे प्रमुख स्थान रहा है यह श्री राम के, मर्यादा पुरुषोतम राम बनने का और राम राज्य की स्थापना का महत्वपूर्ण सेतु है।

कहि न जाइ कछु नगर बिभूती। जनु एतनिअ बिरंचि करतूती॥
सब बिधि सब पुर लोग सुखारी। रामचंद मुख चंदु निहारी॥

नगर का ऐश्वर्य कुछ कहा नहीं जाता। ऐसा जान पड़ता है, मानो ब्रह्माजी की कारीगरी बस इतनी ही है। सब नगर निवासी श्री रामचन्द्रजी के मुखचन्द्र को देखकर सब प्रकार से सुखी हैं॥

श्री राम लला प्राण प्रतिष्ठा

सभी सनातनियों और भगवान श्रीराम के भक्तों के लिए यह गौरव का क्षण

यह भारत की आत्मा को ही पुनर्जीवित करने का प्रयास

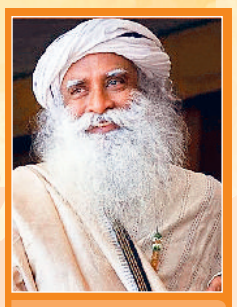

सदगुरु वासुदेव जग्गी महाराज
आध्यात्मिक गुरु

अयोध्या में आगामी 22 जनवरी को श्री राम मंदिर का उद्घाटन होने जा रहा है। मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर सभी सनातनियों और भगवान श्री राम के भक्तों के लिए गौरव का क्षण है। इसके विपरीत कुछ लोग निरंतर रूप से मयार्दा पुरुषोत्तम श्री राम पर कई तरह की विवादित टिप्पणियां कर रहे हैं। ये लोग भारतवर्ष के ही हैं। सदगुरु ने कहा कि जो लोग मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम पर विवादित टिप्पणिया कर रहे हैं, उन लोगों ने न कभी रामायण पढ़ी है और न ही संस्कृत। न ही इन्हें भारतीय प्राचीन संस्कृति की जानकारी है। भगवान श्री राम जन-जन की आस्था के केंद्र हैं। उन पर अशोभनीय टिप्पणी करना पूर्णतः अनुचित है। प्राण प्रतिष्ठा में सच्चे मन और पूर्ण आस्था से कोई भी व्यक्ति शामिल हो सकता है।

श्री राम ने तमाम मुश्किलों का सामना बहुत ही धैर्य व शिष्टतापूर्वक किया

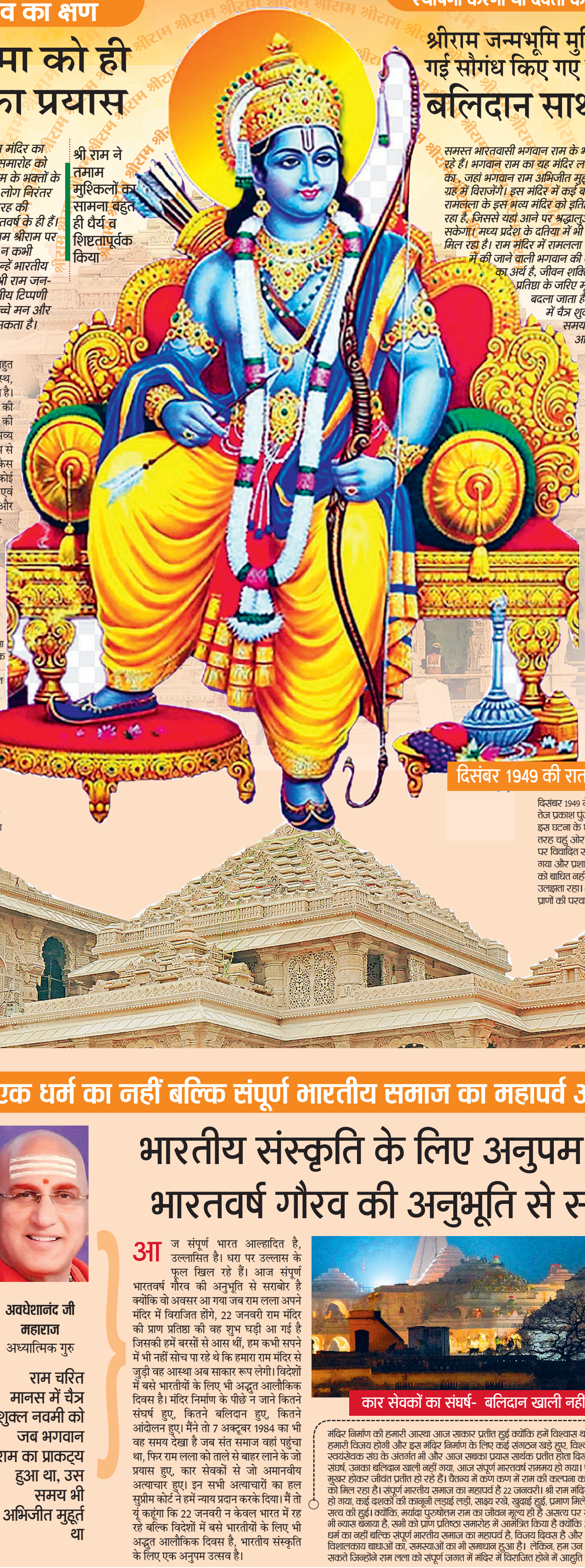

सच्चे ज्ञान का प्रचार-प्रसार करने के लिए लोगों को आध्यात्म से जुड़ने की बहुत आवश्यकता है कि राम का अनुसरण करना। कोई भी व्यक्ति ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और संन्यास आश्रमों में जीवन व्यतीत कर हर तरह की पूजा कर सकता है। बस उसमें मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम के अपनाए गुण संयमित और संतुलित होने की जरुरत है। राम मंदिर इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यदि हम देश के उत्तरी भाग की बात करें तो राम उनकी आत्मा है। 500 साल पहले विदेशी हमलावरों ने उसे भव्य मंदिर को तोड़कर अपनी इमारत बनाई और फिर प्राचीन काल से ही बुनियादी रुप से यह विवाद बना रहा और करीब 135 साल तक अदालत में मंदिर से जुड़ा यह केस चलता रहा, और करीब तीन चार दशकों से सुप्रीम कोर्ट में केस चला। क्योंकि, कोई भी न्यायाधीश इस पर निर्णय देने से कतराता रहा। आखिरकार इस लंबी प्रक्रिया एवं पुरातत्व के सबूत के आधार पर हजारों वर्षों पुराना मंदिर होने का प्रमाण मिले और अब 22 जनवरी को राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के रुप में भारतीय आत्मा पुनः पुर्नजीतिव होगी। घायल भारतीय आत्मा, मंदिर के रूप में पुनर्जीवित होकर, साकार रूप लेगी इस प्रकार यह मंदिर नहीं बल्कि भारत की आत्मा को पुनर्जीवित करने का प्रयास है।

श्रीराम आस्था और आदर के केंद्र

यह सिर्फ एक धर्म या संप्रदाय से ही जुड़ा नहीं है बल्कि बहुत से अन्य धर्म के लोग भी राम की आराधना करते हैं, उनका अनुसरण करते हैं और राम मंदिर एक प्रकार से भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग हैं या मैं यह कह सकता हूं कि घायल भारतीय आत्मा का पुनर्जीवन पुनः लौटना है। और इस मंदिर निर्माण से बहुत से दिलों दिमाग को ठंडक पहुंची है, दो समुदायों के बीच कई दशकों से बिना मतलब का जो टकराव चल रहा था उसका भी अंत हुआ है और अब घायल भारतीय आत्मा इस मंदिर के रूप में पुनर्जीवित होकर अपना साकार रूप लेगी। सिर्फ हिंदू धर्म के ही नहीं बल्कि अन्य धर्मों के लोगों के आस्थ का केंद्र श्री राम है। क्योंकि मानव रुप में उन्होंनेअपने कर्मों से समाज के समक्ष आदर्श प्रस्तुत किए और वो मर्यादा पुरुषोत्तम कहलाए। भगवान की फोटो तो लोग दीवार पर लगा देते हैं, लेकिन मर्यादा पुरुषोत्तम के आदर्श व जीवन मूल्यों का अनुसरण करते हैं और मुझे नहीं लगता कि श्री राम ने जो दुख संकट झेले हैं वह कोई साधारण मानव झेल सकता है। श्री राम ने जीवन भर अपने जीवन में संयम का पालन किया। भारतीय मानस में श्रीराम का महत्व इसलिए नहीं है क्योंकि उन्होंने जीवन में इतनी मुश्किलें झेलीं बल्कि उनका महत्व इसलिए है कि उन्होंने उन तमाम मुश्किलों का सामना बहुत ही धैर्य व शिष्टतापूर्वक किया। अपने सबसे कठिन क्षणों में भी उन्होंने स्वयं को अत्यंत गरिमापूर्ण रखा। उसके अनंतर वे एक बार भी न तो क्रोधित हुए न उन्होंने किसी को दोष दिया न ही घबराए या उत्तेजित हुए। ऐसे में सम्पूर्ण भारत वर्ष में श्री राम आस्था और आदर का केंद्र है। राम मंदिर उसी आस्था का आधार।

प्राण प्रतिष्ठा का अर्थ है, जीवन शक्ति की स्थापना करना या देवता को जीवन में लाना

श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति के लिए ली गई सौगंध किए गए संघर्ष, दिए गए बलिदान सार्थक हो गए

गुरु शरण महाराज
पीठाधीश्वर श्री पंडोखर धाम सरकार, दतिया

समस्त भारतवासी भगवान राम के भव्य मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर तैयारी कर रहे हैं। भगवान राम का यह मंदिर लगभग तैयार हो गया है और अब बस इंतजार है तो 22 जनवरी का, जहां भगवान राम अभिजीत मुहूर्त में अपने भाइयों के साथ बाल स्वरूप में भव्य मंदिर के गर्भ ग्रह में विराजेंगे। इस मंदिर में कई बाते हैं, जो इसको अन्य मंदिरों से बेहद खास बनाती है। रामलला के इस भव्य मंदिर को इतिहास और सुविधाओं के संगम के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिससे यहां आने पर श्रद्धालुओं को त्रेता युग की परंपराओं और भव्यता का अनुभव हो सकेगा। मध्य प्रदेश के दतिया में भी रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। राम मंदिर में रामलला की पूजा रामानंदी परंपरा से होगी। हिंदू धर्म में किसी भी मंदिर में की जाने वाली भगवान की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा का बहुत बड़ा महत्व होता है। प्राण प्रतिष्ठा का अर्थ है, जीवन शक्ति की स्थापना करना या देवता को जीवन में लाना। प्राण प्रतिष्ठा के जरिए मूर्ति में जीवन शक्ति का संचार करके उसे देवता के रूप में बदला जाता है। इसके बाद वो पूजा के योग्य बन जाती है। राम चरित मानस में चैत्र शुक्ल नवमी को जब भगवान राम का प्राकट्य हुआ था। उस समय भी अभिजीत मुहूर्त था। 22 जनवरी को भी पौष शुक्ल अभिजीत मुहूर्त है।

श्रीराम जन्मभूमि पर लगभग 80 बार हमले हुए

करोड़ों रामभक्त सनातन धर्मावलंबियों एवं लाखों कारसेवकों के लिए अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला की पुनर्प्रतिष्ठा होना अत्यंत गौरवान्वित करने वाला क्षण है क्योंकि उनके द्वारा खाई गई सौगंध , किए गए सैकड़ों संघर्ष और दिए गए लाखों बलिदान आज सार्थक हो गए हैं। भारत पर मुगलों का आक्रमण सनातनधर्मियों के लिए उनके अस्तित्व पर संकट का समय था परंतु हमारे पूर्वजों के शौर्य और बलिदानों ने मुगलों के मंसूबों पर पानी फेर दिया। हमारे धर्म , संस्कृति और इतिहास को नष्ट - भ्रष्ट करने के लिए मुगलों ने अनेक आक्रमण किए , उन्होंने हिंदुओं पर अनेक मर्मांतक अत्याचार किए और शस्त्र (तलवार) की दम पर हिंदुओं का ही बड़ी संख्या में धर्म परिवर्तन कराया। मुगल आक्रमणकारी भारत को 'दारुल हरब' से 'दारुल इस्लाम' में परिवर्तित करने के मंसूबे पाले हुए थे। स्वतंत्रता के बावजूद परावर्तित हो गए हमारे ही रक्त संबंधियों में विधर्मियों के खान-पान , रहन-सहन , आदतें और कुसंस्कार आ जाने के कारण आज भी भारत के इस्लामीकरण की मानसिकता बनी हुई है। सनातनियों के सात्विक खान-पान , सोच-विचार और संस्कारों का ही परिणाम है कि हमारे शौर्यपूर्ण संघर्षों से आज भी सत्य सनातन धर्म की ध्वजा पताका अखिल विश्व में लहरा रही है। हमारी आध्यात्मिक चेतना और शक्ति के आधार बिंदुओं अर्थात हमारी श्रद्धा, आस्था और विश्वास के प्रतीक मानबिंदुओं को मुगलों ने समय-समय पर नष्ट करने के अनेक प्रयास किए। 16 वीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध में मुगल सम्राट बाबर ने अपने सेनापति मीर बाकी को हिंदुओं की अगाध श्रद्धा के शक्तिकेंद्र अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर पर आक्रमण करने का आदेश दिया। फलतः मीर बाकी ने 1528 ईस्वी में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर पर अपनी सेना के साथ आक्रमण कर दिया और सनातनियों के प्रतिकार के बावजूद बाबरी सेना ने मंदिर को तोड़ दिया और उसी स्थान पर आनन-फानन में तोड़ दिए गए मंदिर के मलबे से ही मस्जिद बनाने का नाकाम प्रयास किया।

दिसंबर 1949 की रात प्रकट हुआ था अलौकिक प्रकाश पुंज

दिसंबर 1949 में एक रात अयोध्या स्थिति राम जन्मभूमि में एक अलौकिक और दिव्य तेज प्रकाश पुंज देखा गया जिसके साक्षी वहां के स्थानीय हिंदू-मुसलमान रहवासी हैं। इस घटना के घटित होते ही रामलला के प्रकट होने का समाचार जंगल में आग की तरह चहुं ओर तीव्रता से फैल गया। तत्कालीन मुख्यमंत्री गोविंद बल्लभ पंत के आदेश पर विवादित स्थल पर लोहे के सरियों वाला दरवाजा लगाकर उस पर ताला मढ़ दिया गया और प्रशासन ने इस स्थान को अपने कब्जे में ले लिया परंतु नित्य पूजन आरती को बाधित नहीं किया गया। इसके बाद से ही यह मामला अदालती वाद परिवाद में उलझता रहा। 6 दिसंबर 1992 की निर्णायक कारसेवा करते हुए कारसेवकों ने अपने प्राणों की परवाह न करते हुए एक बार फिर विवादित ढांचे पर भगवाध्वज फहरा दिए और अपने पराक्रम से बाबरी कलंक रूपी ढांचे को हमेशा के लिए ध्वस्त कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिलान्यास करते ही पूर्णता को प्राप्त हो रही थी और आज भव्य मंदिर में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही वह सौगंध भी पूर्ण हुई। भारत की आध्यात्मिक शक्ति और शौर्य गाथा विश्व में अमर हो गई है और भारत में रामराज्य की पुनर्स्थापना का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

22 जनवरी किसी एक धर्म का नहीं बल्कि संपूर्ण भारतीय समाज का महापर्व और विजय दिवस

अवधेशानंद जी महाराज
अध्यात्मिक गुरु

राम चरित मानस में चैत्र शुक्ल नवमी को जब भगवान राम का प्राकट्य हुआ था, उस समय भी अभिजीत मुहूर्त था

भारतीय संस्कृति के लिए अनुपम उत्सव भारतवर्ष गौरव की अनुभूति से सराबोर

आज संपूर्ण भारत आल्हादित है, उल्लासित है। धरा पर उल्लास के फूल खिल रहे हैं। आज संपूर्ण भारतवर्ष गौरव की अनुभूति से सराबोर है क्योंकि वो अवसर आ गया जब राम लला अपने मंदिर में विराजित होंगे, 22 जनवरी राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की वह शुभ घड़ी आ गई है जिसकी हमें बरसों से आस थीं, हम कभी सपने में भी नहीं सोच पा रहे थे कि हमारा राम मंदिर से जुड़ी वह आस्था अब साकार रूप लेगी। विदेशों में बसे भारतीयों के लिए भी अद्भुत आलौकिक दिवस है। मंदिर निर्माण के पीछे न जाने कितने संघर्ष हुए, कितने बलिदान हुए, कितने आंदोलन हुए। मैंने तो 7 अक्टूबर 1984 का भी वह समय देखा है जब संत समाज वहां पहुंचा था, फिर राम लला को ताले से बाहर लाने के जो प्रयास हुए, कार सेवकों से जो अमानवीय अत्याचार हुए। इन सभी अत्याचारों का हल सुप्रीम कोर्ट ने हमें न्याय प्रदान करके दिया। मैं तो यूं कहूंगा कि 22 जनवरी न केवल भारत में रह रहे बल्कि विदेशों में बसे भारतीयों के लिए भी अद्भुत आलौकिक दिवस है, भारतीय संस्कृति के लिए एक अनुपम उत्सव है।

कार सेवकों का संघर्ष- बलिदान खाली नहीं गया

मंदिर निर्माण की हमारी आस्था आज साकार प्रतीत हुई क्योंकि हमें विश्वास था कि एक न एक दिन हमारी विजय होगी और इस मंदिर निर्माण के लिए कई संगठन खड़े हुए, विश्व हिंदू परिषद, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अंतर्गत भी और आज सबका प्रयास सार्थक प्रतीत होता दिख रहा है। कार सेवकों का संघर्ष, उनका बलिदान खाली नहीं गया, आज संपूर्ण भारतवर्ष राममय हो गया। पूरे राष्ट्र की चेतना में राम मुखर होकर जीवंत प्रतीत हो रहे हैं। चैतन्य में कण कण में राम की कल्पना का अभिव्यक्त रुप देखने को मिल रहा है। संपूर्ण भारतीय समाज का महापर्व है 22 जनवरी। श्री राम मंदिर का निर्माण ऐसे ही नहीं हो गया, कई दशकों की कानूनी लड़ाई लड़ी, साक्ष्य रखे, खुदाई हुई, प्रमाण मिले और आखिरकार विजय सत्य की हुई। क्योंकि, मर्यादा पुरुषोत्तम राम का जीवन मूल्य ही है असत्य पर सत्य की जीत। वर्तमान में भी न्यास बनाया है, सभी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आमंत्रित किया है क्योंकि 22 जनवरी किसी एक धर्म का नहीं बल्कि संपूर्ण भारतीय समाज का महापर्व है, विजय दिवस है और सभी विवादों का अंत है। विशालकाय बाधाओं का, समस्याओं का भी समाधान हुआ है। लेकिन, हम उन बलिदानों को भी नहीं भूल सकते जिन्होंने राम लला को संपूर्ण जगत में मंदिर में विराजित होने में आहुति दी है।

राम मंदिर निर्माण की ज्वाला हर भारतीय के सीने में धधक रही थी

अब उच्चतम सर्वोत्तम श्री राम उपलब्ध होंगे उनके स्वयं के मंदिर में। श्री राम मंदिर निर्माण के लिए कानूनी लड़ाई मुझे अंत हीन लगती थी, आखिरकार कोर्ट का फैसला आया, भूमि पूजन हुआ और अब प्राण प्रतिष्ठा का वह अवसर है, जिसकी आस लाखों आंखें बरसों से लगाए रखी थीं। जब 1528 में भव्य मंदिर को ध्वस्त करके विवादित ढांचा खड़ा कर दिया था तभी से हिंदुओं की आत्मा कौंध रही थी और तभी से राम मंदिर निर्माण की ज्वाला हर भारतीय के सीने में धधक रही थी। आज मेरी आंखों में वही पुराने संघर्ष के दिन याद आते हैं, 1983 से में हिंदू जागरण मंच से जुड़ा और 1984 तक संघर्ष की यात्रा का साक्षी बना। हम जानते थे कि मंदिर निर्माण होगा, उस क्षण हमने शपथ ली थी कि राम लला को उनके मंदिर में उनके स्थान पर विराजित करेंगे, लेकिन यह नहीं पता था कि हम उस भव्य व आलौकिक क्षण के साक्षी भी बन पाएंगे। आज मंदिर निर्माण और प्राण प्रतिष्ठा के रुप में वो अवसर आ गया।

एक समय सब सहित समाजा। राजसभाँ रघुराजु बिराजा॥
सकल सुकृत मूरति नरनाहू। राम सुजसु सुनि अतिहि उछाहू॥

एक समय रघुकुल के राजा दशरथजी अपने सारे समाज सहित राजसभा में विराजमान थे। महाराज समस्त पुण्यों की मूर्ति हैं, उन्हें श्री रामचन्द्रजी का सुंदर यश सुनकर अत्यन्त आनंद हो रहा है

श्री राम लला प्राण प्रतिष्ठा

हिंदू धर्म दर्शन के नए आयाम लीलाओं से ही निकलते रहे हैं

पूरे विश्व में फहरेगी त्रेता की तरह अयोध्या की कीर्ति पताका

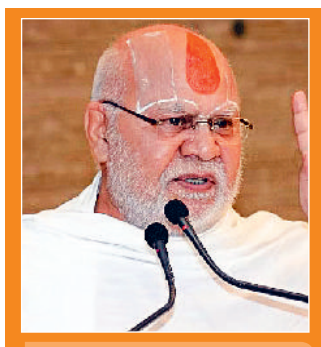

भगवान श्रीराम सर्वव्यापी हैं, अयोध्या उनका धाम है। श्रीराम घनब्रह्म हैं, पर अयोध्या उन्हें गढ़ती है, संस्कार देती है, मर्यादा और आचरण सिखाती है। यह अयोध्या की मिट्टी में है। अब रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद एक बार फिर धर्म, संस्कृति, संस्कार का प्रभाव पूरे विश्व पर पड़ना स्वाभाविक है। श्री हरि विष्णु के अवतार मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम जीवन के हर पहलू को जीते रहे हैं और नए आदर्श गढ़ कर मानव को प्रेरित करने का संदेश देते हैं। अयोध्या उनकी जन्मस्थली है। इन दिनों यहां उत्सव है। मंदिर-मंदिर, घर-घर श्रीराम और रामलला ही हैं। आनंदमग्न अयोध्या नए परिवेश में उनकी लीला की साक्षी बन रही है। लोक में राम की प्रतिष्ठा एक बार फिर होने जा रही है। अयोध्या की पहचान अट्टालिकाओं से नहीं होती। पहचान यहां के संस्कार, संस्कृति और अध्यात्म से होती है, जो पूरे जंबूद्वीप को अयोध्या की ही देन है।

ज्ञान दास जी

(अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के पूर्व अध्यक्ष व हनुमानगढ़ी सागरिया पट्टी के महंत, अयोध्या धाम)

श्री राम पदयात्रा करते हैं। कदम-दर-कदम चेतना के उर्ध्वगामी होने का एहसास कराते हैं। यह तो नारायण की लीला है। श्रीराम की मर्यादा अक्षुण्ण है। क्षरण उसे छूता नहीं। मर्यादा, संस्कार से आबद्ध है। यही तो रामलला और अयोध्या की विशेषता रही है। अयोध्या का भूगोल भले ही बदला हो लेकिन इतिहास यथावत है। यह अलग बात है कि काल के थपेड़ों में अयोध्या की मूल सांस्कृतिक विरासत प्रभावित हुई। ऐसा शायद नियति को मंजूर रहा हो। हिंदू धर्म दर्शन के नए आयाम लीलाओं से ही निकलते रहे हैं। वर्तमान भी इसका साक्षी हो रहा है। श्रीराम के नाम में ही वह ओज है, जो आकर्षित करता है। यह आकर्षण काल से परे है। राम की सर्वव्यापकता बढ़ती ही गई है। कलियुग में इसका प्रभाव और भी बढ़ा। अयोध्या अचल है, पर इसके संस्कार चलायमान रहे। संस्कार पीढ़ी- दर-पीढ़ी आगे बढ़ते रहे। अयोध्या में संस्कारों का सृजन कोई एक दिन में नहीं हुआ होगा। इसमें भी सदियां लगीं होंगी। एक बार फिर जंबूद्वीप की अयोध्या और रामलला सबकी जुबान पर है। श्रीराम का मंदिर बन रहा है।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होने वाली है। अयोध्या स्वयं को गौरवान्वित महसूस करती है। श्रीराम अयोध्या में हर क्षण विद्यमान रहते हैं। यहां के कण-कण में उनका एहसास है। वह मानव हृदय के राम हैं। अब एक बार फिर लोक के राम की प्रतिष्ठा की जा रही है। अयोध्या पिछली कई शताब्दियां उपेक्षित रही। उपेक्षा ने क्षरण को मौका दिया। मर्यादा से संस्कार तक, व्यवहार से आचरण तक, लोकमंगल की भावना के साथ सकारात्मक ऊर्जा सृजन की धारा क्षरित हुई थी। लोक में राम की प्रतिष्ठा एक बार फिर होने जा रही है। अयोध्या की पहचान अट्टालिकाओं से नहीं होती। पहचान यहां के संस्कार, संस्कृति और अध्यात्म से होती है, जो पूरे जंबूद्वीप को अयोध्या की ही देन है। संस्कार की दृष्टि से इसकी अलग अहमियत है। यह चिंतन का विषय है। संस्कार और तपस्या बढ़ेगी तो मर्यादाओं के भंग होने का खतरा समाप्त होगा। अयोध्या के जरिए लोक में राम की प्रतिष्ठा के साथ इस पर गंभीर चिंतन होना चाहिए। रामनाम इसका आधार हो सकता है। राम के मर्यादा पुरुषोत्तम स्वरूप का गान संबल दे सकता है। लगभग तीन किमी की परिधि वाली जंबूद्वीप में रामलला की अयोध्या को इसी दृष्टि से देखा जाना चाहिए। तपस्या मिट्टी के ताप को बदल देती है। यह उर्ध्वगामी होती है तो संस्कार से संस्कृति और मर्यादा तक शिखर की ओर अग्रसर हो जाते हैं। मानवता आह्लादित होने लगती है। रामलला प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या तो बदलेगी ही पूरे विश्व को इसका लाभ मिलेगा।

भगवान राम के वनवास के दौर का साक्षी है मध्यप्रदेश

समन्वयवाद की विराट चेतना का नाम श्रीराम समाज को एकता के सूत्र में 'पिरोया'

राम सिर्फ एक नाम ही नहीं है।। राम भारत की सांस्कृतिक विरासत हैं। भगवान श्रीराम सनातन धर्म की पहचान हैं। भारतीय समाज में मर्यादा, आदर्श, विनय, विवेक, लोकतांत्रिक मूल्यों और संयम का नाम श्रीराम है। भगवान श्रीराम सबके आदर्श है, श्रीराम ने समाज को एकता के सूत्र में पिरोने का कार्य किया, आसुरी शक्तियों के संहार हेतु समाज की संग्रहित शक्ति प्रयोग करने उन्होंने आने वाली पीढ़ियों को एक संदेश दिया। भगवान राम व निषादराज की मित्रता, केवट को गले लगाना, शबरी के जूठे बेर खाना हमें आज भी समाजिक एकता का संदेश देती है। भगवान राम ने अपने वनवास के समय प्रत्येक कदम पर अंतिम व्यक्ति को गले लगाया। जो व्यक्ति संयमित, मर्यादित और संस्कारित जीवन जीता है, निस्वार्थ भाव से उसी में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के आदर्शों की झलक परिलक्षित हो सकती है। श्रीराम ने वशिष्ठ को शास्त्र गुरु, विश्वामित्र को शस्त्र गुरु, अगस्त्य को मंत्र गुरु बनाकर जोड़ा। राजा दशरथ, जनक, परशुराम, केवट, निषाद, शबरी, सुग्रीव, विभीषण सभी को एक सूत्र में जोड़ दिया। इस तरह से समन्वयवाद की विराट चेतना का नाम श्रीराम है।

संपूर्ण समाज हमारा अपना परिवार, कहीं कोई भेदभाव नहीं

भगवान राम ने अपने वनवास काल में समाज को एकता के सूत्र में पिरोने का काम पूरे कौशल के साथ किया। समाज की संग्रहित शक्ति के कारण ही आसुरी प्रवृति पर प्रहार किया। समाज को निर्भयता के साथ जीने का मार्ग प्रशस्त किया। इससे यही शिक्षा मिलती है समाज जब एक धारा के साथ प्रवाहित होता है तो कितनी भी बड़ी बुराई हो, उसे नत मस्तक होना ही पड़ता है।

श्रीराम ने वनवास के दौरान 14 वर्ष में से सबसे ज्यादा करीब साढ़े ग्यारह वर्ष का समय चित्रकूट में बिताया

भगवान राम माता सीता और भाई लक्ष्मण के साथ जब 14 वर्ष के वनवास के लिए अयोध्या से निकले थे, तब उन्होंने देश के कई स्थानों की यात्रा की थी। वनवास काल के दौरान भगवान राम उत्तर भारत, मध्य भारत और दक्षिण भारत के कई स्थानों पर रूके और कई ऋषि मुनियों से मिले थे। वनवास काल के दौरान मध्य प्रदेश के कई स्थलों में भी भगवान राम के आगमन और रुकने के प्रमाण मिलते हैं। भगवान श्रीराम ने वनवास के दौरान 14 वर्ष में से सबसे ज्यादा करीब साढ़े ग्यारह वर्ष का समय चित्रकूट में बिताया। चित्रकूट की वनवास स्थली प्रभु भी राम की नही, वरन भगवान शंकर की प्रकट स्थली के लिए जानी जाती है। भगवान राम का जन्म अयोध्या में हुआ था, जिसका अर्थ है वह स्थान जहां कोई युद्ध नहीं हो सकता। जब मन में कोई द्वंद्व नहीं होता तो प्रकाश का उदय होता है। आज 500 साल बाद अवध में भगवान श्रीराम के विराजमान और प्राण-प्रतिष्ठान का महोत्सव है।

पंडित प्रदीप मिश्रा

अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक

चित्रकूट में राम की अत्रि ऋषि से भेंट हुई थी

देश में एक तरफ अयोध्या में भगवान श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा का उत्सव चल रहा है, वहीं दूसरी ओर मध्य प्रदेश की नई सरकार राम वन गमन पथ के निर्माण को अपनी पहली प्राथमिकता बताई है। सीएम मोहन यादव सरकार ने प्रदेश की सबसे बड़ी आध्यात्मिक परियोजना श्री राम वन गमन पथ पर ध्यान केंद्रित किया है। सीएम मोहन यादव ने प्रदेश के वरिष्ठ अफसरों के साथ चित्रकूट में श्री राम वन गमन पथ न्यास आदि को लेकर तैयारियां की है। वनवास काल के दौरान यमुना नदी को पार कर भगवान राम सबसे पहले चित्रकूट पहुंचे थे। चित्रकूट का कुछ हिस्सा उत्तर प्रदेश तो कुछ हिस्सा मध्य प्रदेश में आता हैं। यहां भगवान राम ने वनवास काल के दौरान कई साल गुजारे थे।

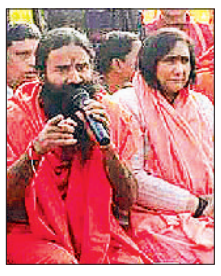

कहा जाता है कि चित्रकूट में ही भगवान राम अपने भाई भरत से मिले थे। राजा दशरथ की मृत्यु का समाचार लेकर भरत चित्रकूट में आए थे और भगवान राम को वापस अयोध्या चलने के लिए उन्हें मनाया था। भगवान राम के साथ न चलने पर भरत ने भगवान की चरणपादुका इसी स्थान पर उनसे ली थी। सतना जिले के पास चित्रकूट में ही भगवान राम की अत्रि ऋषि से भेंट हुई थी। मंदाकिनी नदी के किनारे बसा चित्रकूट हिंदुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। कर्वी, सीतापुर, कामता, खोही और नया गांव के आस-पास का वनक्षेत्र चित्रकूट के नाम से विख्यात है। कामदगिरी पर्वत, सीतापुर, हनुमानधारा, कामतानाथ मंदिर यहां के प्रमुख स्थलों में शामिल है।

श्री राम घनब्रह्म कहे जाते हैं, अर्थात ब्रह्म वरूप में प्राप्ति के लिए मार्ग कोई भी अपनाया जा सकता है

किसी भी रूप में भक्त शरणागत हुआ तो कृपा का पात्र बन जाता है

महंत जगदीश दास
मुख्य पुजारी
श्री रघुनाथ दासजी की बड़ी छावनी, अयोध्या

रामलला की नगरी अयोध्या, वैराग्य और आध्यात्मिक शक्ति का केंद्र है।

लौकिक जगत में वैराग्य को देवताओं की और शक्ति को देवियों की कृपा के रूप में व्याख्यायित किया जाता है। इसे प्राप्त करने के लिए अलग-अलग मार्ग हमारे ऋषि, मुनियों ने दिखाए हैं। अयोध्या में भगवान श्रीराम व माता सीता इनके प्रतीक हैं, जिनकी कृपा से लौकिक कामनाओं से मुमुक्षु तक की यात्रा इन मार्गों से पूरी होती है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को होगी। अयोध्या के साथ पूरे विश्व में उत्सव का माहौल है। इस उत्सव के पीछे मानव की वह अभिलाषा है, जो जीवन का अंतिम लक्ष्य होती है। यह लक्ष्य राम कृपा है। भक्ति से आनंद तक की इस यात्रा का अंतिम पड़ाव प्राप्त होने पर जो आनंद किसी को प्राप्त होता है।

बाबा रामदेव बोले, प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही देश को मिलेगी सांस्कृतिक स्वतंत्रता

अयोध्या। प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने आए संतों ने रविवार को राम की पैड़ी पर प्रेस वार्ता की। इस दौरान श्रीराम जन्मभूमि मंदिर आंदोलन से लेकर देश के साधु संतों के योगदान और राजनीति पर संतों ने बात की। योगगुरु रामदेव ने वार्ता की शुरुआत करते हुए कहा कि वर्ष 1947 में देश को राजनीतिक आजादी मिली थी, लेकिन अब श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही देश को सांस्कृतिक स्वतंत्रता मिलने जा रही है। इसका सभी देशवासी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने प्राण प्रतिष्ठा के मुहूर्त को लेकर कहा कि मंदिर निर्माण स्वयं प्रभु की इच्छा से हो रहा है और प्राण प्रतिष्ठा जब श्रीराम की हो तो सभी मुहूर्त दिव्य हो जाते हैं। इससे जुड़े सवाल करने वाले लोग अज्ञानी हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक देवेन्द्र सिंह द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 से प्रकाशित। संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। RNI No. 63924/1996, फोन : 9253681019-20, फैक्स : 274202, e-mail : rohtak@haribhoomi.com, rohtakharibhoomi@gmail.com
Postal Regd. No. P/RTK/389/2023-25